श्रावण कृष्ण - 14 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 2 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 24-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने की जरूरत : भागवत

6 मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

7 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आएंगी राशि खन्ना

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में नया जातिगत सर्वेक्षण 22 सितंबर से

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि सरकार 22 सितंबर से सात अक्टूबर तक राज्य में एक नया 'सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण' कराएगी। इस सर्वेक्षण को 'जातिगत सर्वेक्षण' के नाम से भी जाना जाता है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को अक्टूबर के अंत तक रिपोर्ट पेश करने का कार्य सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण पर एक प्रारंभिक बैठक बुधवार को हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''पिछड़ा वर्ग आयोग ने सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण कराने के लिए सरकार को प्रस्ताव सौंपा है। इसके अनुरूप राज्य के सभी सात करोड़ लोगों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य जातिगत भेदभाव को खत्म करना है।''

यूपी में धर्मांतरण रैकेट के तीन और सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। मिशन अस्मिता के तहत पिछले दिनो अवैध धर्मांतरण के गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली आगरा पुलिस ने बुधवार को गिरोह के तीन और सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही अब तक गिरोह के 14 सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़ चुके है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवैध धर्मांतरण के एक बड़े रैकेट का खुलासा करते हुये आगरा पुलिस ने 22 फरवरी तक 11 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आज आईएसबीटी से तीन और सदस्यों को धर दबोचा। उन्होने बताया कि गिरफ्तार लोगों को जुनैद कुरैशी (30),अब्दुल्ला (20) और अब्दुल रहीम (27) शामिल है।

केवल चार 'नाविक' उपग्रह निर्धारित सेवाएं प्रदान कर रहे हैं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि भारतीय 'नाविक' प्रणाली द्वारा 'नेविगेशन' (मार्ग निर्देशन) के लिए कक्षा में स्थापित 11 उपग्रहों में से चार उपग्रह भू-स्थिति निर्धारण सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि 11 उपग्रहों में से चार का उपयोग एकतरफ़ा संदेश प्रसारण के लिए किया जा रहा, दो लक्षित कक्षा तक नहीं पहुंच पाए और एक को उसकी उपयोग-अवधि समाप्त होने के बाद निष्क्रिय कर दिया गया। सिंह ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इस साल के अंत तक एनवीएस-03 उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है।

24-07-2025	25-07-2025
सूर्यास्त 6:48 बजे	सूर्योदय 6:03 बजे

BSE	NSE
82,726.64	25,219.90
(+539.83)	(+159.00)

सोना	चांदी
10,284 रु.	116,534 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वधर्म समभाव

अगर सभी पढ़ कर समझें,
रामायण बाइबिल और कुरान।
गुरुवाणी का भी करें पाठ,
महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान।
समझें यदि सबका सार तत्व,
वैदिक वैज्ञानिक सोच जान।
समभाव और समरसता से,
जानें भारत है क्यों महान।।

यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए तथा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे इन दोनों देशों के साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ होंगे। अपने प्रस्थान वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग है, जिसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं। मोदी ने कहा, ''प्रधानमंत्री माननीय सर केअर स्टार्मर के साथ मेरी बैठक के दौरान, हमें अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।'' इस यात्रा के दौरान वह महाराजा चार्ल्स तृतीय से भी मिलेंगे। इसके बाद, मोदी मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के निमंत्रण पर इस द्वीप देश की यात्रा करेंगे।

'बुलेट ट्रेन परियोजना का काम 2029 तक पूरा होने की उम्मीद'

▪ यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों पर ठहराव की योजना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि वापी और साबरमती के बीच बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के गुजरात वाले हिस्से का काम दिसंबर, 2027 तक पूरा करने की योजना है और महाराष्ट्र से साबरमती सेक्शन तक पूरी परियोजना दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) जापान से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों पर ठहराव की योजना है।

वैष्णव ने बताया, ''वापी और साबरमती के बीच कॉरिडोर का गुजरात वाला हिस्सा दिसंबर, 2027 तक पूरा होने की योजना है। पूरी परियोजना (महाराष्ट्र से साबरमती खंड) दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है।''

सावन शिवरात्रि

सावन शिवरात्रि पर शिव मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। वाराणसी में, काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा ने कहा, आज सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जा रही है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए विशेष निगरानी की जा रही है। इस बीच, संभल में करीब 46 साल बाद खोले गए प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में भी भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं।

पाकिस्तान भारत के साथ 'सार्थक वार्ता' के लिए तैयार : शहबाज शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के साथ ''सार्थक बातचीत'' के लिए तैयार है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शरीफ ने ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

मैरियट ने प्रधानमंत्री आवास में शहबाज शरीफ से मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय स्थिति पर भी चर्चा की।

बयान के अनुसार, ''प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान-भारत गतिरोध के दौरान तनाव कम करने में ब्रिटेन की भूमिका की सराहना की और दोहराया कि पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है।''

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन जैसे प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें अधिकारी

▪ तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा संपदा सेवा अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्तियों के रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का कामकाज में इस्तेमाल करने को कहा है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही।

रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें ने कामकाज में लाना उनका कर्तव्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्ति रिकॉर्ड रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि ये शासन का हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने अधिकारियों से बुनियादी ढाँचे के विकास में पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाने,नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने, अपव्यय को कम करने और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी।

सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृत्व के रूप में, युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा अवसंरचना के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारत, चीन ने सीमा पर स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने बुधवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर समग्र स्थिति की समीक्षा की और सीमा संबंधी मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए आधार तैयार किया। यह समीक्षा दिल्ली में परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक में की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने इस साल के अंत में भारत में होने वाली विशेष प्रतिनिधियों की अगले दौर की वार्ता की भी तैयारी की। विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी के भारत आने की संभावना है। वांग और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल इस वार्ता के विशेष प्रतिनिधि हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उसने कहा कि दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की सामान्य स्थिति पर संतोष व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं।

गांधी ने संसद परिसर में कहा कि हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किये जा रहे है यह वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन चुप नहीं बैठेगा और संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बिहार की बात नहीं है। महाराष्ट्र में भी चोरी की। हमने चुनाव आयोग से मतदाता सूची मांगी, वीडियो मांगे, लेकिन उन्होंने हमें नहीं दिया।

नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार ने वीडियोग्राफी देने का कानून ही बदल दिया। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। उन्होंने कहा, हमने कर्नाटक में अध्ययन किया है और भयंकर चोरी पकड़ी है। मैं 'ब्लैक एंड व्हाइट' में आपको और चुनाव आयोग को बता सकता हूं कि कहां और कैसे चोरी की जा रही है। हम खेल समझ गए हैं। हमने कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र चुना और उसे पूरी तरह से समझा। उन्होंने कहा कि हमें अध्ययन से पता चला है कि कैसे नए मतदाता बनते हैं, कौन वोट करता है और कहां से वोट होता है। उन्होंने दावा किया कि इनको समझ आ गयी है कि हमने इनकी चोरी पकड़ ली है। इसलिए अब बिहार में पूरी व्यवस्था (चुनाव चोरी का) नए तरीके से कर रहे हैं। यह मतदाताओं का नाम हटाएंगे और नए तरीके से सूची बनाएंगे।

इंडिगो की अहमदाबाद-दीव उड़ान तकनीकी खराबी के कारण रद्द

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद से दीव जाने वाला इंडिगो का एक विमान बुधवार को तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में उड़ान नहीं भर सका। विमान में 50 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद से दीव के लिए उड़ान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर रवाना होनी थी। सूत्रों ने बताया कि विमान रवाना होने के चरण में था जब पायलट ने इसे रनवे पर रोकने का निर्णय लिया। इंडिगो ने एक बयान में कहा, ''23 जुलाई को अहमदाबाद से दीव जा रहे इंडिगो के विमान 6ई7966 में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का संकेत मिला।'' इसमें कहा गया है कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए पायलट ने अधिकारियों को सूचित किया और विमान को वापस 'बे' में ले गए।

आर्कटिक, अंटार्कटिका में गंभीरता से रुचि ले रहा भारत : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत आर्कटिक और अंटार्कटिक के ध्रुवीय क्षेत्रों में गंभीरता से रुचि ले रहा है।

विदेश मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी।

थरूर ने कहा कि हालांकि विकसित देश इन दोनों क्षेत्रों में उपस्थिति के मामले में भारत से आगे हैं, जिनका भू-राजनीतिक महत्व बढ़ता जा रहा है, फिर भी भारत इसमें शामिल हो गया है और दोनों जगहों में गंभीरता से रुचि ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही असामान्य और दिलचस्प विषय है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्कटिक और अंटार्कटिक वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

थरूर ने कहा कि आर्कटिक को कुछ भू-राजनीतिक संघर्षों का सामना करना पड़ा है, जबकि अंटार्कटिक को ''वैश्विक साझा क्षेत्र'' माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत अंटार्कटिक में विशेष रूप से सक्रिय रहा है और वहां उसका एक स्टेशन भी है।

बैठक का एजेंडा ''आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में भारत की भूमिका और उपस्थिति'' थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव की निर्वाचन आयोग ने तैयारी शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के दो दिन बाद बुधवार को कहा कि उसने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग ने कहा कि उसने संसद के दोनों सदनों के सांसदों के निर्वाचक मंडल का गठन शुरू कर दिया है। निर्वाचित और मनोनीत दोनों सदस्य उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। आयोग ने कहा कि वह निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारियों के नामों को भी अंतिम रूप दे रहा है। इसने कहा, तैयारियां पूरी होने के बाद, जल्द से जल्द उपराष्ट्रपति चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को एक आश्चर्यजनक कदम के तहत स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त होना था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के इस्तीफे की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी थी। संविधान के अनुच्छेद 68 के खंड 2 के अनुसार, उपराष्ट्रपति के निधन, त्यागपत्र या पद से हटाए जाने के बाद यथाशीघ्र चुनाव कराना होता है।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाएंगे भारत तथा इजरायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के लिए एक संस्थागत ढांचा विकसित करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को यहां इज़राइल रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अमीर बरम के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

दोनों पक्षों ने दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने रक्षा संबंधों को और गहरा करने के लिए एक संस्थागत ढांचा विकसित करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

इज़राइली महानिदेशक ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

रक्षा सचिव ने आतंकवाद के प्रति भारत के शून्य सहिष्णुता के दृष्टिकोण को दोहराया और इज़राइल में अक्टूबर 2023 को हुए आतंकवादी हमलों की निंदा की और सभी बंधकों की रिहाई का आह्वान किया।

दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष जुलाई में भारत में आयोजित संयुक्त कार्य समूह की बैठक के बाद रक्षा सहयोग गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की।

आधुनिक साधनों के अति उपयोग से पारिवारिक व सामाजिक तानाबाना बिगड़ रहा है : संतश्री ज्ञानमुनि

'दक्षिण भारत' के समूह सम्पादक ने ज्ञानमुनि के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के दर्शनार्थ बुधवार को 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर जैन आराधना भवन पहुंचे। पाराशर ने ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर सम्पादक श्रीकांत पाराशर ने ज्ञानमुनिजी से विभिन्न धार्मिक व सामाजिक विषयों पर चर्चा की, उसी के कुछ अंश :

साधनों की अति ही पारिवारिक अशांति का मुख्य कारण

इस मौके पर पाराशर ने जब मुनिश्री से समाज में सम्पन्नता आने के बावजूद भी मानसिक शांति नहीं होने और पारिवारिक व्यवस्था में आए परिवर्तन के बारे में पूछा तो मुनिश्री ने कहा कि आज हमारी परिवारिक व्यवस्था खो गई है, युवा पीढ़ी बुर्जुगों से दूर हो गई है, बुर्जुगों से दूर होकर हम मोबाइल जैसे आधुनिक उपकरणों के नजदीक हो गए हैं।आधुनिक साधनों के अति उपयोग के चलते पारिवारिक व्यवस्था धराशायी हो गई है जिसके कारण घर में अशांति का माहौल है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले जब पर्दा प्रथा थी, तो बात आई कि पर्दा प्रथा हटाओ और जब पर्दा प्रथा हटी तो पूरी तरह से, अर्थात अधिक ही हट गई। पहनावे में फूहड़ता आ गई। इसलिए मुद्दे की बात यह है कि अति सर्वत्र वर्जयेत। अति किसी भी चीज की अच्छी नहीं। किसी भी मामले में अति होगी तो मामला गड़बड़ होगा ही। पहले गांव छोटे थे परन्तु लोगों में प्रेम, प्रीत और वात्सल्यता अधिक थी जिसके कारण एक परिवार के लोग साथ बैठकर खाना खाते थे और एक दूसरे की खोज खबर रखते थे। पहले साधन कम थे और भावना अच्छी थी। आज साधन तो बढ़ गए हैं परन्तु मानवता कम हो गई है। हमें आधुनिक साधनों के प्रति वितृष्णा बढानी होगी। यदि हम बुर्जुगों व संतों के पास जाएंगे, उनके सान्निध्य में अधिक समय बिताएंगे तो पारिवारिक ताने बाने में सुधार आएगा।

जड़ों से जुड़े रहना आवश्यक

मुनिश्री ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व परिवार के साथ रहने के लिए अपनी जन्मभूमि से, अर्थात जड़ों से जुड़े रहना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण दिया कि आज भी जालोर, सिरोही, गोड़वाड़ क्षेत्र के प्रवासी समाज के लोग अपने सामाजिक रीति रिवाज, शादी विवाह व मौत मरघट के कार्यक्रम अपने मूलनिवास अर्थात राजस्थान जाकर ही करते हैं जिससे उनका अपनी जड़ों से जुड़ाव बना रहता है। यदि हम अपनी मातृभूमि से जुड़े रहेंगे तो मन में स्थायीपन और शांति का आभास होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने मूल गांव में छोटा या बड़ा मकान अवश्य ही बनाए रखना चाहिए जिससे वहां आने जाने का सिलसिला बना रहे। जैन समाज को चाहिए कि वे राजस्थान अपनी जन्मभूमि से किसी न किसी तरह से जुड़े रहें, कारण कोई भी हो यदि हम अपनी जड़ों को ताजा रखते हैं तो हमारे जीवन के नए पत्ते हमेशा हरे रहते हैं। संतश्री ने राजनीति के गिरते स्तर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आज महाराष्ट्र में भाषा विवाद सिर उठा रहा है जो कि किसी काम का नहीं है लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते राजनेता ऐसे कार्य करते रहते हैं।

> जैन समाज को चाहिए कि वे राजस्थान अपनी जन्मभूमि से किसी न किसी तरह से जुड़े रहें, कारण कोई भी हो यदि हम अपनी जड़ों को ताजा रखते हैं तो हमारे जीवन के नए पत्ते हमेशा हरे रहते हैं। - ज्ञान मुनि

अपनत्व व भावनाओं से करें युवाओं का मार्गदर्शन

युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की बात पर मुनिश्री ने कहा कि समाज में युवा अवश्य जुड़ेंगे केवल उन्हें अपनत्व देना होगा और उनकी मानसिक भावनाओं को समझना होगा। मुनिश्री ने सुझाव दिया कि समाज में वरिष्ठ जनों को चाहिए कि युवाओं को तरह तरह की जिम्मेदारी सौंपें और उन पर विश्वास करें। युवाओं के पास होश के साथ जोश भी होता है और वे काम अच्छा करते हैं, बस हमें उनपर विश्वास करना जरूरी है। ज्ञानमुनिजी ने बताया कि यलहंका में लोकेशमुनिजी की निश्रा में रोजाना युवक–युवतियों को प्रतिकम्रण सिखाया जा रहा है, जो कि इसी ओर बढ़ाया हुआ एक कदम है। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि धर्म के संस्कार यदि बच्चों में आ जाएं तो वह जिन्दगी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ी को धर्म, संस्कार व आत्मरक्षा के गुर अवश्य सिखाने चाहिएं।

देशप्रेम होना अति आवश्यक है

नशा मुक्ति पर चर्चा करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज नशा एक बड़ी बीमारी है, नशा चाहे गुटके का हो, तम्बाकू का हो या सिगरेट का हो, आज यह एक विकट सामाजिक समस्या बन गई है। यदि हम हमारे युवाओं को कौशल सम्पन्न बनाएंगे तो वे गलत आदतों से दूर रहेंगे। संतश्री ने कहा कि आज गांव विशेषकर राजस्थान में आर्थिक सम्पन्नता व रोजगार के अवसर तो अवश्य बढ़े हैं परन्तु साथ में एक नई समस्या पैदा हो गई है जो कि है विदेश जाने व वहां बस जाने की संस्कृति। संतश्री ने कहा कि आज युवा पैदा हमारे भारत में होता है, खाता है, पीता है, बड़ा होता है, शादी भी भारत में ही करता है परन्तु बसना विदेश में चाहता है, जो कि गलत संस्कृति है। समाज के अग्रगण्य लोगों को चाहिए कि इस संस्कृति को रोकना चाहिए और अपनी नई पीढ़ी को इसके लिए जागरूक करना चाहिए। भारत एक समृद्ध संस्कृति व सभ्यता का देश है हमें अपने देश से प्रेम रखना चाहिए।

प्रदर्शन व आडम्बर से बचना चाहिए

संतश्री ने समाज में चल रही देखा–देखी की होड़ व प्रदर्शन की दौड़ पर कहा कि धर्म हमेशा सादगी से करना चाहिए। धर्म में प्रदर्शन नहीं अपितु सहयोग की भावना होनी चाहिए। प्रदर्शन में होने वाले व्यय का उपयोग साधर्मिक कार्यों में करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति समाज के लिए काम करते हैं, समाज को उनकी आर्थिक व्यवस्था की चिंता अवश्य करनी चाहिए, तभी आगे आने वाले समय में समाज के लिए कार्य करने हेतु लोग आगे आएंगे। उन्होंने कहा, प्रदर्शन व आडम्बर से बचना चाहिए। समाज के अग्र जनों को चाहिए कि बिना किसी स्वार्थ के अच्छे कार्यों को बढ़ावा दें। संतश्री ने आजकल बड़े बड़े महत्वपूर्ण आयोजनों के बीच हो रहे कथित सम्मान कार्यक्रमों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आज मुख्य कार्यक्रम तो गौण हो जाता है और सम्मान समारोह प्रमुख हो जाता है जो कि अनावश्यक व अवांछनीय है। इस ओर हम सभी को चिंतन करना चाहिए। इस मौके पर यलहंका संघ के महामंत्री मनोहरलाल लुकड़, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा भी उपस्थित थे।

सद्गुरु आत्मगुणों के रक्षक व अंतरंग शत्रुओं के नाशक हैं : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिन मंदिर में जाने का विचार भी मन में आने पर एक उपवास का फल मिलता है। जिन परमात्मा के मंदिर की ओर चलने पर बेले की तपस्या का लाभ मिलता है।

दर्शन करने से एक मास की तपस्या का लाभ मिलता है। पूजा करने से एक हजार वर्ष की तपस्या का फल मिलता है तथा स्तुति इत्यादि से अनंतगुणा फल मिलता है अत: प्रभु भक्ति द्वारा तप तथा पुण्य का उपार्जन होता है। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति सम्मान का अर्थ उनके प्रति सत्कार का भाव है। हृदय के भीतर गुरु सम्मान का भाव होता है तो वह व्यक्ति स्वत: ही विनय हो जाता है। गुरु की भक्ति, सेवा आत्मा को वीतराग परमात्मा के साथ जोड़ती है। ज्ञान, ध्यान, तप व जप की साधनाएं गुरु के प्रति समर्पण भाव के बाद ही फलीभूत होती हैं। सद्गुरु आत्मगुणों के रक्षक व अंतरंग शत्रुओं के नाशक हैं। गुरु बिना संसार रूपी भव सागर पार करना मुश्किल है। संतश्री ने कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र आत्मा के सबसे प्रधान गुण हैं। इन ही गुणों के कारण आत्मा सब दुःख, चिंता व्याकुलता से छूट कर अजर अमर अविनाशी हो जाती हैं, अत: इन तीनों गुणों को हितकारी समझ कर इन्हें अपने हृदय में मान्यता देनी चाहिए। मनुष्य में बड़प्पन, पूज्यता, मान्यता अभिमान करने से नहीं अपितु विनय भाव को ग्रहण करने से आते हैं।प्रवचन में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी भी उपस्थित थे।

प्रभु स्तुति करने से प्रभु के गुणों से साक्षात्कार होता है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की स्तुति करने से कर्मों की निर्जरा होती है। स्तुति करने से प्रभु के गुणों से साक्षात्कार होता है, हृदय में शुद्धि की अनुभूति होती है। यह जीव अनंत काल से नरक और निगोद में भटकता हुआ मनुष्य भव में आया है और यहां पिछली सारी दुर्दशा को भूलकर अभिमान में जी रहा है। उन्होंने कहा कि मृत्यु सभी अभिमान तोड़ देती है। शरीर मिट्टी है और मिट्टी में मिलना नियति है। इससे पूर्व प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की वाणी हमें पाप और कल्याण के मार्ग का बोध देती है। हम सही मार्ग चुने और चल पड़ें। एक कुशल बल्लेबाज की तरह हर अवसर का उपयोग करें और सद्गति का मार्ग प्रशस्त करें। श्रद्धा से सुना प्रत्येक शब्द मंत्र बन सकता है। मुंह में भोजन के पहले कान को उसका भोजन दें। बहानेबाज नहीं बनें। प्रभु के वचन सुनें और आचरण में लाएँ। प्रवचन में पाली जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री प्रेमराज गांधी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। सभा का संचालन मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

पगारिया भाइपा द्वारा भीनमाल यात्रा संघ की तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय पगारिया भाइपा परिवार कर्नाटक की ओर से सितम्बर माह में नवरात्रि के मौके पर नौदिवसीय यात्रा संघ की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। महामंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि यात्रा संघ में कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी, पालनपुर, तारंगाजी, जीरावला, माउंट आबू, जैसलमेर, ओसियांजी, नाकोड़ाजी, बाड़मेर, मांडोली, मांडवला आदि अनेक प्राचीन तीर्थों की यात्रा की जाएगी। यात्रा संघ के व्यवस्थित संचालन हेतु पन्नालाल पगारिया और दिलीप पगारिया को संयोजक बनाया गया है। यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी मैसूरु के सुमतिलाल सिद्धार्थकुमार पगारिया सहित अनेक परिवार सहयोगी हैं।

अरिहंत के ध्यान से हमारी आत्मा अरिहंतमय बन जाती है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए। पदार्थों की आसक्ति हमें कम करनी चाहिए। हमारी इन्द्रियां सुख सुविधाओं में आसक्त बनती हैं। हमारी स्थिति ऐसी है कि सुविधाओं के प्रति राग हमें पूर्ण नहीं बनने देता है। हम अपूर्ण ही बने हुए हैं। हमें परमात्मा रूपी प्रीतम के प्रति राग रखना है। हमें प्रभु और अपनी आत्मा का रागी बनना है। हमें अपनी आत्मा के शाश्वत गुणों का रागी बनना है। संसार के प्रति राग स्वार्थ को लेकर है। हमारी इन्द्रियां मन के आदेश से कार्य करते हुए हमें राग, द्वेष में डुबाने का कार्य कर रही हैं। हमें अपनी आत्मा के गुणों का ध्यान रखना चाहिए। अरिहंत का ध्यान करते करते हमारी आत्मा अरिहंतमय बन जाती है। प्रभु के प्रति चित्त की एकाग्रता से ही हमारी आत्मा प्रभुमय बन सकती है। हमारी आत्मा की अरिहंतमय बनने की पात्रता भी है, जरूरत तो सिर्फ एकाग्र व एकमय बनने की है।

जीवन कल्याण के लिए गुरु का होना अति आवश्यक है : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने जैन रामायण ग्रंथ की व्याख्या करते हुए कहा कि दुख को हमेशा समता भाव से सहन करना चाहिए और मन को हमेशा तैयार रखना चाहिए। पूरा जगत कर्माधीन है। हम जैसा कर्म करेंगे हमें वैसा ही फल मिलेगा। जिस प्रकार हर रात के बाद सुबह होती है उसी तरह हर दुख के बाद सुख का आगमन होता ही है। शनि और राहु ग्रह जितने खतरनाक हैं उससे भी ज्यादा खतरनाक है पूर्वाग्रह। जब तक बुरे कर्म है तब तक सामने वाले को हमारे प्रति सद्भावना नहीं होती और जैसे कर्म दूर होते हैं तो सामने वाला अपने आप अनुकूल हो जाता है। संतश्री ने कहा कि जिस प्रकार शरीर को संभालने के लिए डॉक्टर, सुविधा पाने के लिए नौकर, संपति को संभालने के लिए लॉकर चाहिए उसी प्रकार जीवन कल्याण के लिए गुरु का होना अति आवश्यक है। अग्नि का स्वभाव जलाने का तो बर्फ का स्वभाव ठंडक देने का होता है परन्तु देव व गुरु का स्वभाव हमेशा जीव को संसार पार लगाने का होता है।

बेंगलूरु में शौचालय के बाहर एक बैग से जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर बरामद

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में कलासीपाल्या बीएमटीसी बस स्टैंड के एक शौचालय के बाहर बुधवार को एक बैग में जिलेटिन की छह छड़ें और कुछ डेटोनेटर बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जैसे ही पुलिस को एक लावारिस बैग की सूचना मिली, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया। पुलिस के मुताबिक पूरे क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गई, उसके बाद पुलिस ने आगे की जांच के लिए बरामद सामग्री को जब्त कर लिया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एस गिरीश ने मीडिया से कहा, 'कलासीपाल्या बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) के बस स्टैंड के शौचालय के बाहर एक बैग में जिलेटिन की छह छड़ें और कुछ डेटोनेटर (दोनों अलग–अलग) पाए गए।'

साधनों से नहीं, साधना से मन को मिलेगी शांति : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

नवग्रह शांति अनुष्ठान की हुई मंगलमय पूर्णाहुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। बुधवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में नवग्रह शांति अनुष्ठान की पूर्णाहुति के अवसर पर साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि साधना के बिना आंतरिक शक्तियों का विकास नहीं होता। साधनों से हम घर भर सकते हैं, मन को नहीं भर सकते। इसलिए यह जरूरी है कि संसार की दौड़–भाग के बीच भी प्रतिदिन हम साधना के लिए कुछ समय निकालें। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधनों के प्रति मनुष्य की बढ़ती रुचि उसे साधना से वंचित करती है। जो साधनों में उलझाता है, वह साधना में गहरे नहीं उतर सकता। साधनों की अधिकता से अशांति और समस्याएं ही बढ़ती हैं, शांति और समाधान नहीं मिलते। साधना ही शांति का श्रेष्ठ मार्ग है। जब तब साधनों की कीमत का पता होता हैं, वे ही मूल्यवान लगते हैं। जिस दिन साधना के रहस्यों को समझते हैं तो साधन सामान्य लगने लगते हैं और जीवन को एक नई राह मिल जाती है। आज तक का मानवजाति का इतिहास साक्षी है कि जिसने भी साधनों के पीछे दौड़ लगाई हार गया। लेकिन जो साधना में निमग्न हुआ उसने सब कुछ पा लिया।

गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि गुरुत्वाकर्षण बल से सीधा संबंध जोड़ने के लिए तल मंजिल पर बैठकर मंत्रजाप या ध्यान करना श्रेष्ठ होता है। साधना के लिए सात्विक भोजन और मन की सरलता व पवित्रता भी अत्यंत आवश्यक है।

कुटिलता और अपवित्रता सभी जगह बाधक हैं। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि नवग्रह शांति अनुष्ठान में बुधवार को वासक्षेप, पुष्प, धूप, दीप, अक्षत, नैवेद्य और फल आदि सामग्री के द्वारा विविध पूजन विधान हुए। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि गुरुवार को ओसवाल, पोरवाल और श्रीमाली, जैनधर्म की तीनों मुख्य जातियों का स्थापना दिवस उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। गौधुली वेला में गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग में विघ्न निवारक मंगलकारक अनुष्ठान आयोजित किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, TARKESHWAR MISHRA, S/o Sudama Mishra, Service No. JO-412614H, Rank Sub Unit-Transit Facility-DRDO, C/o 99, APO, Panagarh Army Base do hereby declare that my son's actual name is PRANAV KUMAR MISHRA, but in my service record my son's name has been recorded as PRANAVA KUMAR instead of PRANAV KUMAR MISHRA, both the names i.e. PRANAV KUMAR MISHRA and PRANAVA KUMAR S/o TARAKESHWAR MISHRA are one and the same and refers to my son only, vide affidavit dated 5th September 2024, sworn before Executive Magistrate, Durgapur.

आरबीआई ने कारवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

बेंगलूरु/मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित कारवार अर्बन को–ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है क्योंकि उसके पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावना नहीं है। इससे, बैंक 23 जुलाई, 2025 को कारोबार बंद होने से बैंकिंग गतिविधि बंद कर देगा। आरबीआई ने बुधवार को बयान में कहा कि सहकारी समितियों के पंजीयक, कर्नाटक' से बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का भी अनुरोध किया गया है।

शिवकथा में शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग ने किया श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बानसवाड़ी स्थित सीताराम कल्याण मंडप में आयोजित महाशिवपुराण कथा के पांचवें दिन कथा वाचक संत वेंकटेश ने भगवान शिव और पार्वती के विवाह के प्रसंग का वर्णन किया। कथा स्थल पर विवाह प्रसंग के दिव्य वर्णन और झांकी दर्शन ने भक्तों को भाव–विभोर कर दिया। संत वेंकटेश ने कहा कि शिव सभी कामनाओं से दूर है परंतु संसार के कल्याण के लिए उन्हें विवाह करना पड़ा। वह वैवाहिक जीवन में रहकर भी वैराग्य जीवन का पालन करते थे। कथा में शिव–पार्वती विवाह का भावचित्रण किया गया तथा भोलेनाथ की अनोखी बारात के बारे में बताया।

समता की प्रतिमूर्ति थे आचार्य आनंदऋषि : साध्वीश्री कंचनकंवर

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में गतिमान आनंद जन्मोत्सव के तहत बुधवार को साध्वीश्री ने कहा कि समता ही धर्म है और समता में धर्म है। समता सद्गति का द्वार है। साध्वीश्री ने कहा कि आनंदऋषिजी समता की प्रतिमूर्ति थे। वह हमेशा धर्म में लग्न रहते थे तथा हर परिस्थिति में सम रहते थे। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि समाज की धरोहर होते हैं संत। जहां मन एवं कर्म में एकरूपता होती है, वहां जीवन में पावनता तथा पवित्रता पाई जाती है। आचार्य आनंदऋषिजी में भी ऐसी ही पावनता व पवित्रता विद्यमान थी। आचार्य आनंद गुरु का जीवन क्षीर सागर के समान गंभीर, पृथ्वी के समान विशाल था। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि प्रवचन में जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय वैयावच्च के मंत्री रतन सिंघी, सुरेश गुलेच्छा आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। साध्वी कंचनकंवर जी ने मांगलिक प्रदान किया। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। संचालन मंत्री पदम चन्द बोहरा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

कन्नड़ फिल्म अभिनेता, फ़िल्म निर्माता संघ के अध्यक्ष उमेश बणकार ने बुधवार को राजाजीनगर स्थित खिंवेसरा भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीबी भंडारी पीयू कॉलेज का नया अध्ययन सत्र शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शंकरपुरम स्थित सीबी भंडारी जैन पीयू कॉलेज में मंगलवार को नए सत्र का शुभारंभ व विद्यार्थियों का स्वागत हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। सचिव चंपालाल जैन ने सभी पदाधिकारियों, अतिथियों व विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर पीयूसी के रैंक धारकों को प्रबंधन सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी तथा विद्यार्थियों को कॉलेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

न्यायालय ने अदालत के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में 'धर्मस्थल' के धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े के भाई से जुड़े मामलों में मीडिया में रिपोर्टिंग पर रोक लगाने संबंधी अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सार्वजनिक रूप से रिपोर्टों को किसी तीसरे अनधिकृत पक्ष के साथ साझा करने या खुलासा करने पर रोक लगाने से संबंधी अदालत का यह आदेश राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में महिलाओं की कथित हत्या की खबरों से संबंधित था। एक स्थानीय अदालत के एकपक्षीय अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर याचिका में उस निर्देश की वैधता पर सवाल उठाया गया है, जिसमें 390 मीडिया संस्थानों को धर्मस्थल दफन मामले से जुड़े लगभग 9,000 लिंक और खबरें हटाने का निर्देश दिया गया था।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा कि उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आप पहले उच्च न्यायालय जाइए।''

निचली अदालत ने यह आदेश श्री मंजूनाथस्वामी मंदिर संस्थाओं के सचिव हर्षेंद्र कुमार द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में पारित किया था। कुमार ने कथित रूप से झूठी और अपमानजनक सामग्री के ऑनलाइन प्रसार को उजागर किया था, जबकि किसी भी प्राथमिकी में उनके या मंदिर अधिकारियों के खिलाफ कोई विशेष आरोप नहीं थे।

हाल में कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने जोर देकर कहा था कि धर्मस्थल में महिलाओं की कथित हत्या के संबंध में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले गहन जांच होनी चाहिए। इससे पहले, राज्य सरकार ने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। धर्मस्थल मंदिर दफन मामले के संबंध में धर्मस्थल धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े के भाई हर्षेंद्र कुमार डी. के खिलाफ किसी भी अपमानजनक सामग्री के प्रकाशन पर रोक लगाने वाले बेंगलूरु की अदालत के आदेश के खिलाफ यूट्यूब चैनल थर्ड आई' ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है।

धर्मस्थल मुद्दा : एसआईटी में होंगे 20 पुलिस अधिकारी

बेंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल' कस्बे में महिलाओं के लापता होने, लड़कियों से बलात्कार और उनकी हत्या के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) में पुलिस अधीक्षक से लेकर हेड कांस्टेबल तक विभिन्न रैंक के 20 पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम द्वारा जारी आदेश में यह जानकारी दी गई। मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, एसआईटी में पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी सी.ए. साइमन, दो पुलिस उपाधीक्षक, पांच पुलिस निरीक्षक, सात उपनिरीक्षक, एक सहायक उपनिरीक्षक और चार हेड कांस्टेबल शामिल होंगे। कर्नाटक सरकार ने एक नगर निकाय कर्मी के दावे की जांच के लिए विभिन्न हलकों से उठती मांग के बाद सोमवार को एसआईटी का गठन किया। इस कर्मचारी ने कहा था कि उसने धर्मस्थल' में सैकड़ों लड़कियों और युवतियों के शवों को दफनाया है।

जाति जनगणना नहीं, बल्कि सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण : मंत्री शिवराज थंगडगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र सरकार जाति जनगणना करा रही है। राज्य सरकार एक सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण करा रही है और गुरुवार को एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा, पिछड़ा वर्ग कल्याण और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज थंगडगी ने कहा। बुधवार को विकास सौधा में उनसे मिलने आए मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य में सामाजिक एवं शैक्षिक रिपोर्ट तैयार करने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अगले सोमवार को तेलंगाना जाकर वहाँ की सर्वेक्षण प्रणाली का अध्ययन करेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में फिर से सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है क्योंकि कांताराजू की रिपोर्ट को तैयार हुए 10 वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने आयोग को अगले तीन महीनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सर्वेक्षण के लिए शिक्षकों का उपयोग किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के अधिकारी सहयोग करेंगे। अगले चरणों में सर्वेक्षण में कैसे भाग लिया जाए, सर्वेक्षण का मॉडल क्या हो और सर्वेक्षण में शिक्षकों के प्रशिक्षण सहित कई मुद्दों पर अधिकारी स्तर पर लगातार बैठकें होंगी।

इससे पहले, जब कांताराजू आयोग ने सर्वेक्षण किया था, तब सर्वेक्षण के नमूने एकत्र करने के लिए 54 कॉलम (प्रश्नावली) थे। तदनुसार, वे घर-घर जाकर उन्हें भरते थे और उसके आधार पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार की जाती थी। इस बार कितने नमूने एकत्र किए जाएँ, यह तय करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रक्रियाएँ कल से शुरू हो जाएँगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या राज्य की राजनीति में कोई क्रांति आएगी, तो मंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति जनवरी में है। इसके बिना कोई क्रांति नहीं होगी।

ऐप के माध्यम से ऑनलाइन निवेश के नाम पर व्यक्ति से ठगे 15.5 लाख रुपये

उडुप्पी/दक्षिण भारत। कर्नाटक में ऐप के जरिए लालच में आकर ऑनलाइन ठगी वाली निवेश योजना में 34 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 15.5 लाख रुपये से अधिक धनराशि गंवा दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित अश्विथ ने करकला टाउन थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस के अनुसार, अश्विथ को 28 जनवरी 2025 को मीना सकपाल नाम से पंजीकृत एक नंबर से व्हाट्सएप संदेश मिला, जिसमें उसे ऐप के माध्यम से 'एस-कॉइन' निवेश कार्य में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। संदेश को सही मानकर, उन्होंने निर्देशों का पालन किया, अपने खाते का विवरण साझा किया और 29 जनवरी से 19 जून 2025 के बीच कई भुगतान किए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुल 15,52,650 रुपये की धनराशि मंगलूरु स्थित उनके महाराष्ट्र बैंक खाते से एक 'यूपीआई-लिंक्ड' खाते में अंतरित कर दी गई।

भुगतान करने के बाद अश्विथ से और निवेश करने को कहा गया, जिसके बाद अपनी धनराशि वापस पाने के लिए उनसे अब पहले कर भुगतान करने को कहा गया। धन वापस नहीं किए जाने पर अश्विन ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा ने पारदर्शी जांच की उम्मीद जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने दक्षिण कन्नड़ जिले के 'धर्मस्थल' में सामूहिक रूप से शवों को दफनाने के आरोपों की जांच विशेष जांच दल द्वारा पारदर्शी तरीके से किए जाने की बुधवार को उम्मीद जताई। साथ ही राज्य सरकार से इस मुद्दे के जरिए माहौल और व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयासों को रोकने की मांग की। सरकार ने पुलिस महानिदेशक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) प्रणव मोहंती की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक (भर्ती) एम एन अनुचेथ और आईपीएस अधिकारी सौम्यलता एस के और जितेंद्र कुमार दयामा शामिल हैं।

विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा, ''राज्य सरकार ने एसआईटी गठित की है, जांच जल्द से जल्द होनी चाहिए। सभी की इच्छा है कि पारदर्शी जांच हो और सच्चाई सामने आए। लेकिन सरकार को भी इस मुद्दे के जरिए वहां माहौल और व्यवस्था को खराब करने की कोशिशों तथा झूठे प्रचार पर ध्यान देना चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा, ''हम भी इसके पीछे की साजिशों से वाकिफ हैं। अगर इस मुद्दे को लेकर वहां की व्यवस्था को नष्ट करने की कोई कोशिश की गई, तो हम विचार करेंगे कि आगे क्या करना है।''

दरअसल पिछले दो दशकों में 'धर्मस्थल' में कथित सामूहिक हत्या, बलात्कार और शवों को सामूहिक तौर पर दफ़नाए जाने के दावों के बाद एसआईटी का गठन किया गया था। एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि वह 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल' में काम करता था और उसे 'धर्मस्थल' में कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। इन शवों में महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। उसने आरोप लगाया था कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। उसने इस संबंध में एक मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान भी दिया है।

जीएसटी मसले पर केन्द्र पर दोष मढ़ना निंदनीय : रवि कुमार

बेंगलूरु। भाजपा ने मंगलवार को राज्य में जीएसटी विवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोष देने के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के प्रयासों को निंदनीय बताया। राज्य भाजपा मुख्यालय 'जगन्नाथ भवन' में पत्रकारों से बात करते हुए, कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की ओर से जीएसटी विवाद का दोष प्रधानमंत्री पर मढ़ना उनकी एक कुटिल कोशिश है। सिद्दरामय्या पर छोटे व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और रेहड़ी-पटरी वालों पर कर आतंकवाद फैलाने और उन्हें यूपीआई के बजाय केवल नकद नीति अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाते हुए, रवि कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान को हतोत्साहित करने के लिए मुख्य रूप से कर्नाटक के मुख्यमंत्री ही ज़िम्मेदार हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा, सिद्दरामय्या की ओर से प्रतिगामी नीति अपनाना निंदनीय है। रवि कुमार के अनुसार, यह समस्या पूरी तरह से और मुख्य रूप से राज्य सरकार के बाएँ, दाएँ और बीच से धन इकट्ठा करने के गुप्त उद्देश्य के कारण उत्पन्न हुई है क्योंकि सरकार गारंटी योजनाओं के कारण पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है। नोटिस केवल तीसरे पक्ष के आधार पर जारी किए जा रहे हैं। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक ने कहा, जीएसटी विवाद के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है और केंद्र को दोष देना अनुचित है।

कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों के लिए आईटीआई जल्द ही बजाज ऑटो के साथ समझौता करेंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । राज्य सरकार जल्द ही देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी बजाज ऑटो के साथ समझौता करेगी, ताकि राज्य भर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के छात्रों को उद्योग-संबंधित रोज़गार कौशल प्रदान किया जा सके। चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका मंत्री और रायचूर ज़िले के प्रभारी डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने शैक्षणिक और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की। आईटीआई छात्रों के लिए बजाज मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स (बीएमएस) लागू करने के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया।

यद्यपि कर्नाटक में 272 सरकारी, 192 सहायता प्राप्त और 853 निजी आईटीआई हैं, फिर भी बड़ी संख्या में स्नातक अभी भी नौकरी की तलाश में हैं। डॉ. पाटिल ने बताया कि इस तरह के सहयोग से रोज़गार की समस्या का समाधान करने में मदद मिल सकती है। मंत्री ने प्रस्ताव दिया, हम इस पहल को पाँच आईटीआई में शुरू करने के लिए कदम उठाएँगे। राज्य के चार क्षेत्रीय केंद्रों में से प्रत्येक में एक और कलबुर्गी जिले के सेडम तालुका में एक केन्द्र है।

बीएमएस वर्तमान में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में तीन महीने का एक सफल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है, जो औपचारिक शिक्षा छोड़ चुके हाई स्कूल के छात्रों को दोपहिया और तिपहिया वाहनों का ऑटोमोटिव प्रशिक्षण प्रदान करता है। बजाज ऑटो के मानव संसाधन प्रमुख रवि कैरन रामास्वामी ने कहा, यह निःशुल्क है और पूरा होने के बाद, प्रशिक्षुओं को प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों द्वारा नियुक्त किया जाता है या वे ऑटो डीलर या मैकेनिक के रूप में अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। बजाज ऑटो ने पहले ही बेंगलूरु के पीईएस विश्वविद्यालय में स्थापित बजाज इंजीनियरिंग कौशल प्रशिक्षण (बेस्ट) केंद्र के माध्यम से कौशल विकास को प्राथमिकता दी है। यह 30 करोड़ रुपये के निवेश से किया गया है। यह केंद्र इंजीनियरिंग छात्रों को मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, इंडस्ट्री 4.0, मोशन कंट्रोल और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में उन्नत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में बोलते हुए, पीईएस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी. जवाहर ने बताया कि कौशल विकास और रोज़गार सृजन के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार-शैक्षणिक-उद्योग साझेदारी आवश्यक है। बैठक में कौशल विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार मीणा, राष्ट्रीय आजीविका मिशन निदेशक पी.आई. श्रीविद्या, रोज़गार एवं प्रशिक्षण आयुक्त आर. रागप्रिया, केएसडीएल के एमडी एन.एम. नागराज, जीटीटीसी के एमडी वाई.के. दिनेश कुमार और संसेरा इंजीनियरिंग के एफ.आर. सिंघवी सहित प्रमुख अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गोवंश से नृशंसता और गो तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

मंगलूरु। कर्नाटक के उडुप्पी जिले में गोवंश से नृशंसता तथा गोतस्करी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इमरान और इरशाद के रूप में हुई है। उसने बताया कि इमरान के खिलाफ इसी तरह के अपराध में 35 से अधिक मामले दर्ज हैं। गोवंश से नृशंसता और गोतस्करी की हालिया घटना 19 जुलाई को उडुप्पी जिले के कुंदापुर इलाके के बिदकलकट्टे में हुई और हरदल्ली मंडल्ली गांव के निवासी जयप्रकाश के पुलिस में शिकायत दर्ज कराने तथा घटना का वीडियो सौंपने के बाद इसका खुलासा हुआ।

पुलिस को प्राप्त वीडियो के अनुसार, ''तड़के लगभग पौने चार बजे तीन नकाबपोश व्यक्ति हुंसेमक्की की ओर से एक स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) वाहन में आए। बिदकलकट्टे बाजार क्षेत्र के पास गाड़ी रोक कर सड़क के किनारे सो रही एक गाय के गले में रस्सी बांधकर उसे बेरहमी से घसीटते हुए कुछ दूर तक ले गये। इसके बाद गाय को अपने वाहन में डालकर वे सभी शिरियार की ओर फरार हो गए।'' शिकायत के आधार पर कोटा थाने की पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद गहन जांच के आधार पर इमरान और इरशाद को गिरफ्तार कर लिया ।

यूपीआई लेनदेन पर जारी नोटिस पर मुख्यमंत्री का आश्वासन, हड़ताल पर नहीं जाएंगे व्यापारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए कहा कि यूपीआई लेनदेन के आधार पर जारी किए गए दो-तीन साल पुराने जीएसटी नोटिसों पर अब आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की तरफ से आश्वासन मिलने के बाद व्यापारियों ने भी 25 जुलाई को प्रस्तावित अपनी हड़ताल तत्काल वापस ले ली। इस निर्णय से व्यापारियों और सरकार के बीच चल रहा गतिरोध समाप्त हो गया है। हालांकि, सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि नोटिस जारी करने की कार्रवाई कानून के दायरे में ही थी।

बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने व्यापारी संगठनों के साथ चर्चा की, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नोटिस को लेकर बनी भ्रम की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। कर्नाटक के हजारों व्यापारियों को एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये किए गए लेनदेन पर वाणिज्यिक कर विभाग ने जीएसटी नोटिस जारी किए हैं। इनमें से कई नोटिस ऋण राशि और व्यक्तिगत लेनदेन से संबंधित हैं। राज्य के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री पर वाणिज्यिक कर विभाग के लिए लक्ष्य निर्धारित करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से नोटिस वापस लेने का आग्रह करते हुए व्यापारियों के 25 जुलाई को काम बंद करने के आह्वान का भी समर्थन किया।

मुख्यमंत्री ने इस पर कहा कि पुराने कर बकाया को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, बशर्ते कि सभी व्यापारी जीएसटी अधिनियम के तहत पंजीकरण कराएं और आगे से जीएसटी का भुगतान करना शुरू कर दें। व्यापार संगठनों के साथ बैठक के बाद सिद्दरामय्या ने कहा, मैंने व्यापारियों से कहा कि वे हड़ताल पर न जाएं और न ही 'फ्रीडम पार्क' पर प्रदर्शन करें। वे अपना आंदोलन वापस लेने पर सहमत हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि हम छूट प्राप्त वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारियों से कर नहीं वसूलेंगे, भले ही उन्हें नोटिस जारी कर दिए गए हों। मैंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे पिछले दो-तीन वर्षों के बकाया भुगतान के लिए नोटिस से संबंधित मामलों को आगे न बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन बकाया राशि पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि व्यापारियों को समस्याओं का सामना न करना पड़े - बशर्ते वे वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा, व्यापारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण अनिवार्य है क्योंकि सभी को कर के दायरे में लाना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल छूट प्राप्त वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यवसायों को पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि नोटिस केवल 40 लाख रुपये से अधिक यूपीआई लेनदेन वाले व्यापारियों को ही जारी किए गए थे और इस पहल का मुख्य उद्देश्य जीएसटी पंजीकरण को बढ़ावा देना था।

सिद्दरामय्या ने छोटे व्यापारियों को समर्थन देने और वैध व्यापार प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले कई व्यापारी संघों ने इन व्यवसायों से यूपीआई लेनदेन का बहिष्कार करने का आह्वान किया था और शुक्रवार को राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की थी। यूपीआई के जरिये हुए लेनदेन को आधार बनाकर प्रदेश सरकार ने लगभग 6,000 जीएसटी नोटिस जारी किए थे, जिसके बाद प्रदेश के व्यापारियों ने हड़ताल का आह्वान किया था।

यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी नोटिस भेजे जाने के विरोध में कर्नाटक के व्यापारी समूह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। एकीकृत भुगतान मंच यूपीआई के जरिये हुए लेनदेन को आधार बनाकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग के लगभग 6,000 नोटिस जारी होने पर कर्नाटक के व्यापारियों ने चिंता जताई है। हालांकि एक शीर्ष कर अधिकारी ने इस कदम को कानून के दायरे के भीतर बताया है। व्यापारी संगठनों ने यूपीआई लेनदेन के आधार पर जीएसटी भुगतान की मांग करने वाले नोटिस भेजे जाने पर हड़ताल का आह्वान भी किया है। वाणिज्यिक कर विभाग की संयुक्त आयुक्त मीरा सुरेश पंडित ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि व्यापारियों के भेजे गए नोटिस अंतिम कर मांग नहीं हैं और नोटिस पाने वाले व्यापारियों को सहयोगी दस्तावेज़ों के साथ इनका जवाब देने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि जवाब संतोषजनक पाए जाने पर या जीएसटी अधिनियम के तहत छूट का हकदार होने पर ये नोटिस वापस ले लिए जाएंगे।

यूपीआई लेनदेन के आधार पर व्यापारियों को भेजे गए नोटिसों के मुद्दे पर कर्नाटक के कई व्यापारी संघों ने अपने सदस्यों से यूपीआई लेनदेन का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। उन्होंने इस नोटिस के विरोध में 25 जुलाई को हड़ताल का भी आह्वान किया है।

श्रीलंकाई युवा राजनीतिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की

बेंगलूरु। श्रीलंका के युवा राजनीतिक नेताओं (वाईपीएलडी) के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को यहां राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

बातचीत के दौरान, प्रतिनिधियों ने राज्यपाल के साथ बातचीत की और कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक प्रगति और एक वैश्विक आईटी केंद्र के रूप में बेंगलूरु के गतिशील विकास की सराहना की। उन्होंने राज्य की परंपराओं, व्यापार और विकास मॉडल में भी गहरी रुचि दिखाई। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सांस्कृतिक और राजनीतिक संपर्क यात्रा में कर्नाटक और बेंगलूरु के शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रौद्योगिकी, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में राज्य के नेतृत्व पर प्रकाश डाला।

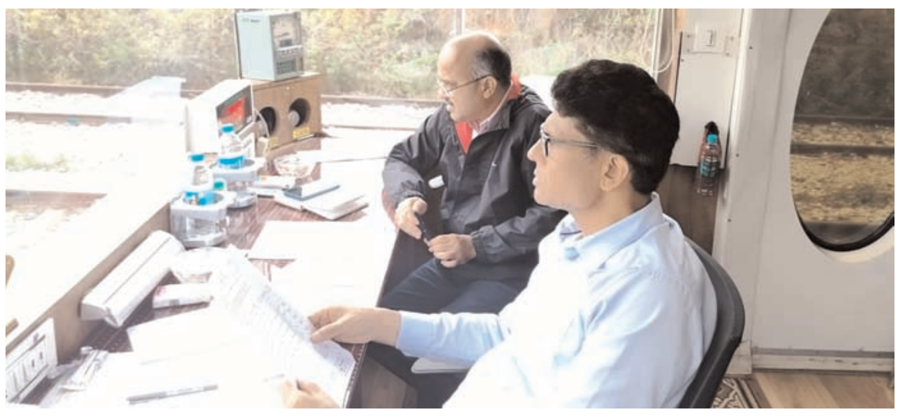

'दपरे' के महाप्रबंधक ने विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बुधवार को कडुर और चिक्कमगलुरु खंड के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और मार्ग पर विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, मैसूरु मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) विनायक आर नायक, दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महाप्रबंधक के साथ थे और उन्होंने खंड के प्रदर्शन और बुनियादी ढाँचे पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। बाद में, उन्होंने चिक्कमगलूरु रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया, जिसे अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक, यात्री-अनुकूल केंद्रों में बदलना है। माथुर ने कार्यों की गुणवत्ता, समय पर निष्पादन और सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बेहतर यात्री अनुभव के लिए भारतीय रेलवे के दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्विकास पहलों को आगे बढ़ाने में मैसूरु मंडल के प्रयासों की सराहना की।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 11.8 लाख संभावित फर्जी लाभार्थियों की पहचान की

कारवार। कर्नाटक सरकार ने राज्य में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 11.8 लाख संभावित फर्जी लाभार्थियों की पहचान की है, जिनमें 13,702 आयकरदाता और 117 सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने बुधवार को एक समीक्षा बैठक में कहा कि आधार सत्यापन से यह भी पता चला है कि हजरों लोग न्यूनतम आयु मानदंड पूरा न करने के बावजूद वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, जाली प्रमाणपत्रों का उपयोग करके दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने से संबंधित शिकायतें भी सामने आई हैं।

करंट लगने से दो कांवड़ियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार को कांवड़ चढ़ाने से पहले कांवड़ की परिक्रमा कर रहे दो कांवड़ियों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी जबकि 30 से अधिक कांवड़िये और ग्रामीण झुलस गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीचगावा गांव के लोग हरिद्वार से कांवड़ लेकर आए थे। बुधवार को कांवड़िये और गांव के लोग कांवड़ की परिक्रमा कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वहां डीजे का वाहन खड़ा था जिसमें कुछ कांवड़िये थे।

उस वाहन में एक झंडी थी जो कल रात बारिश के चलते भीग गई। वह झंडी ऊपर से गुजर रहे उच्च क्षमता के बिजली के तारों से छू गई। इससे डीजे और उसके पास खड़े दो तीन वाहनों में करंट फैल गया।

सूत्रों ने बताया कि इससे वाहन में करंट फैल गया जिससे वाहन में खड़े दो कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा कांवड़िए और ग्रामीण झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को गढ़ीसवाईराम के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनमें आठ लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें राजीव गांधी जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। चार घायलों को लक्ष्मणगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उधर घटना के विरोध में कांवड़िए और ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए लक्ष्मणगढ़ – मंडावर मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। मौके पर अधिकारी मौजूद हैं। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बताई जा रही है। मौके पर विद्युत निगम के कर्मचारी पहुंच चुके हैं, जो घटना की जांच कर रहे हैं।

न्यायालय ने दिव्यकीर्ति के खिलाफ मानहानि के मामले में कार्यवाही पर रोक लगाई

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक प्रमुख कोचिंग संस्थान के संस्थापक डॉ. विकास दिव्यकीर्ति के खिलाफ अजमेर की एक अदालत में चल रहे मानहानि के मामले में आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने 'दृष्टि आईएएस' के संस्थापक दिव्यकीर्ति की याचिका पर कार्यवाही पर रोक लगाई है। दिव्यकीर्ति ने अजमेर की अदालत द्वारा उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत पर संज्ञान लेने के आदेश के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। दरअसल, पूरा मामला एक वीडियो से संबंधित है जिसमें दिव्यकीर्ति ने कथित तौर पर न्याय व्यवस्था और न्यायपालिका के कामकाज के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। मामला तब सामने आया जब एक वकील ने अजमेर की स्थानीय अदालत में याचिका दायर की। स्थानीय अदालत ने शिकायत पर संज्ञान लिया और उन्हें 22 जुलाई को तलब किया। हालांकि, उन्होंने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट के लिए अर्जी दायर की जिसके बाद अदालत ने उन्हें दो अगस्त को पेश होने का निर्देश दिया।

राजस्थान लिख रहा विकास की नई गाथा, राज्य सरकार प्रदेश को बनाएगी समृद्ध और विकसित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रदेश विकास की नई गाथा लिख रहा है। राज्य सरकार प्रदेश के विकास के प्रत्येक संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए हैं तथा यह डबल इंजन की सरकार ऐतिहासिक फैसले लेकर राजस्थान को एक समृद्ध और विकसित राज्य बनाने की तरफ अग्रसर है। शर्मा बुधवार को चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ शक्ति और भक्ति की भूमि है। यह वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीरा बाई, स्वामीभक्त पन्नाधाय और भामाशाह जैसे दानवीरों की भूमि है। शर्मा ने कहा कि सावन के महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश के लिए अमृत के समान है। कृषि के लिए यह बरसात लाभकारी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित भारत–विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री हमेशा सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य करते हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। आतंकवाद–नक्सलवाद का खात्मा हुआ है तथा विश्वपटल पर देश को एक नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम हो रहा है उसका हमारे प्रदेश को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए केंद्र सरकार इस साल लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। यह राशि 2014 से पहले की तुलना में 15 गुना अधिक है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की प्राथमिकताओं को समझते हुए बिजली एवं पानी के क्षेत्र में सरकार निरंतर निर्णय ले रही है। जहां एक ओर रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा एवं गरीब के कल्याण के लिए काम कर रही है। हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले वर्ष यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हरियालो राजस्थान की शुरुआत की और पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि आने वाली 27 जुलाई को हरियाली तीज के दिन हम ढाई करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। हम हरियालो राजस्थान के माध्यम से इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे तथा 5 साल के कार्यकाल में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से बारिश के इस सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और हरियालो राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में योगदान करने की अपील की। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर प्रदेश के विकास के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के माध्यम से प्रदेशभर में शिविर आयोजित कर सरकारी विभागों से जुड़े काम किए गए और लाखों जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान चलाया गया जिसमें 3 लाख 70 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए और ढाई करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी भागीदारी की। उन्होंने कहा कि हमने इस साल जनवरी में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत राज्य में चार साल में 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर हर क्षेत्र में सुशासन की मिसाल कायम हो रही है। हमारे डेढ़ साल के कामकाज उनके पूरे पांच साल के कार्यकाल पर भारी हैं। हम प्रदेश को ऊर्जा में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने बिजली उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की वृद्धि की, जबकि गत सरकार 5 वर्षों में 3 हजार 948 मेगावाट बढ़ा पाई। हमने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान उपलब्ध कराया है, जबकि गत सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर के लिए अनुदान दिया था। उन्होंने कहा कि हमने 18 महीनों में 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में केवल 29 हजार पौंड बनवाए। पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 49 पशुचिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया, जबकि हमने डेढ़ साल में ही 55 पशु चिकित्सालयों को क्रमोन्नत कर दिया।

तकनीकी शिक्षा राष्ट्र विकास की बने संवाहक : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने युवाओं का आह्वान किया है कि उन्हें तकनीकी ज्ञान को 'रोजगार' तक सीमित न रखें बल्कि 'राष्ट्र पहले' की भावना से नवाचार, उद्यम और जनकल्याण में इसका प्रयोग करना चाहिए। बागड़े बुधवार को एमबीएम विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में तकनीकी शिक्षा की भूमिका का स्मरण कराते हुए कहा कि शिक्षा केवल औपचारिक डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि यह समाज एवं देश के प्रति दायित्व बोध का माध्यम बने।

उन्होंने कहा कि नवगठित एमबीएम विश्वविद्यालय ने अल्प समय में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम–उषा) के तहत स्वीकृत 20 करोड़ की राशि, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना, एआई एवं डेटा साइंस जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम, 5जी स्पेक्ट्रम लैब तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसके उदाहरण हैं। राज्यपाल ने छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया।

उन्होंने विश्वविद्यालय की 'विद्यादान' परंपरा को शिक्षा के सर्वसुलभिकरण की दिशा में अनुकरणीय पहल बताया। इस अवसर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस मौके पर 717 स्नातक (जिसमें 32 बी.आर्किटेक्चर एवं 30 एमसीए), 117 स्नातकोत्तर, 07 पीएचडी उपाधियाँ और 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति नवाचार की जननी है और उन्हें चाहिए कि वे केवल डिग्री तक सीमित न रहकर नवाचार करें, स्वरोजगार अपनाएं और अन्य युवाओं को भी प्रेरित करें।

धनखड़ का इस्तीफा: गहलोत बोले- अचानक क्या हुआ कि शाम को इस्तीफा हो गया, स्वास्थ्य तो ठीक था?

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक दिए गए इस्तीफे के मुद्दे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस्तीफे के लिए दिए गए स्वास्थ्य कारणों पर संदेह जताते हुए कहा कि यह देश के लिए चौंकाने वाला है कि दिन भर काम करने के बाद अचानक शाम को उनका इस्तीफा हो गया। गहलोत ने कहा, मैं इस राय का हूं कि उनका स्वास्थ्य ठीक था। मेरी धारणा ये है, कभी वह खुद बोलेंगे तो बताएंगे आपको। मेरी दृष्टि में उनका स्वास्थ्य ठीक था, दिन भर उन्होंने काम भी किया, अचानक क्या हुआ कि शाम को इस्तीफा हो गया? अचानक क्या हुआ? गहलोत ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद की अपनी एक गरिमा है, और यह नौबत क्यों आई, यह एक बड़ा सवाल है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस मामले में कांग्रेस के स्टैंड को लेकर चल रही बहस पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कांग्रेस उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लेकर आई थी और सदन के अंदर–बाहर शिकायतें भी करती थी, लेकिन अब कुछ नेता कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को उन्हें समझाना चाहिए था। गहलोत ने कहा कि विपक्ष को अक्सर अध्यक्ष या सभापति से शिकायत रहती है, क्योंकि वे ज्यादा समय चाहते हैं, और कुछ लोग अपनी पार्टी के प्रति झुकाव भी रखते हैं। उन्होंने राजस्थान में सीपी जोशी और परसराम मदेरणा जैसे निष्पक्ष स्पीकर का उदाहरण भी दिया।

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ नागरिकों का जीवन स्तर हो रहा बेहतर : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान – हरियाळो–राजस्थान' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं लोकार्पण समारोह जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत शिकारपुरा पं. स. लूणी में बुधवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पटेल ने 63.53 लाख रूपये की लागत के 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण को केंद्र में रखकर काम कर रही है। उन्होंने कहा हर वर्ग के लिए प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनका लाभ आमजन तक पहुँच रहा है।

पटेल ने कहा डबल इंजन की सरकार प्रदेश को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि हर वर्ग के जीवन स्तर को भी ऊंचा उठा रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा धाम में राजेश्वर भगवान के 82 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने राजेश्वर भगवान की पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। कार्यक्रम में शिकारपुरा धाम के महंत दयाराम महाराज का पावन सानिध्य श्रद्धालुओं को मिला।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि एवं किसान कल्याण की दिशा में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रूपये प्रति वर्ष की गई है।

पटेल ने कहा पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महती आवश्यकता है, पेड़ों का महत्व हम सभी ने कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी के दौरान अनुभव किया। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान की बदौलत हमारे वन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है। जिससे न केवल पर्यावरण संतुलन बना है, बल्कि वन्यजीवों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा खेजड़ी जैसे पारंपरिक और पर्यावरण हितैषी वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक है।

तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी अध्यक्षता में एवं प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव तथा पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़, जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर कुसुम यादव एवं जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर की उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय तीज उत्सव की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके निवास पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को भेंट कर जयपुर में आयोजित हो रहें तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया। इससे पूर्व मंगलवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को भी तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि तीज उत्सव में शामिल होने के लिए राजस्थान विधानसभा सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को भी मंगलवार को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर राज्य का पूरा मंत्री मंडल भी आमंत्रित किया जा रहा है। जयपुर के विधायक एवं पार्षद एवं जन प्रतिनिधिगण भी तीज उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किये जा रहें हैं। दिया कुमारी ने कहा कि तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग–बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर है। उन्होंने बताया कि इस बार तीज उत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भव्य रूप से आयोजित होने वाले तीज उत्सव में राजस्थान की लोक कलाओं में निपुण लगभग 200 लोक – कलाकार अपनी कलाओं के प्रदर्शन से जयपुर वासियों सहित यहां आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को अभिभूत करेंगे।

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध की जाए कार्यवाही : मंजू राजपाल

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी समितियों की ऑनलाइन ऑडिट होने से उनके कामकाज में पारदर्शिता आएगी, जिससे आमजन का उन पर विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने ई–ऑडिट की अब तक की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए आगामी दिनों में अधिक सक्रियता के साथ काम कर समयबद्ध रूप से कार्य सम्पन्न करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

श्रीमती राजपाल बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से पैक्स कम्प्यूटराइजेशन प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कुछ केन्द्रीय सहकारी बैंकों के स्तर पर इस दिशा में अच्छा कार्य हो रहा है, लेकिन कई सीसीबी को

निर्धारित लक्ष्य अर्जित करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यालय स्तर से इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने गो–लाइव, डे एंड, डायनामिक डे एंड, हैण्ड होल्डिंग एवं ई–पैक्स के बीच के अंतर को दूर करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन पैक्स, ऑडिटर अथवा केन्द्रीय सहकारी बैंकों के स्तर पर इस कार्य में निरन्तर लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी ई–ऑडिट के कार्य में समस्या आ रही है, वहां विभागीय ऑडिटर नियुक्त किया जाकर प्रक्रिया सम्पन्न करवाई जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन कार्य के लिए नियोजित सिस्टम इंटीग्रेटर को भी अधिक सक्रिय होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में अधिक गैप्स हैं, वहां अधिक संख्या में कर्मचारी लगाये जाएं। कर्मचारी प्रशिक्षित एवं कार्यकुशल होने चाहिए। श्रीमती राजपाल ने कहा कि जिन जिलों में पर्याप्त संख्या में स्टाफ है, वहां अच्छी प्रगति सामने आ रही है, इसलिए अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के प्रयास किए जाएं।

बिहार के रेलवे बजट में ऐतिहासिक उछाल, 11 वर्षों में 9 गुना बढ़ोतरी : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को मिला रेलवे विकास का नया आयाम: अश्विनी वैष्णव

शिवहर–सीतामढ़ी रेल परियोजना को मिली तेज़ गति, बागमती नदी पर ब्रिज का टेंडर जारी

अमृत भारत ट्रेनें बनीं गरीबों की सुविधा का प्रतीक, बिहार को मिली नई कनेक्टिविटी

गोरखपुर/भाषा। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में बिहार में रेलवे के तहत हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया की बिहार में 11 वर्ष पूर्व राज्य के लिए रेलवे बजट मात्र रुपए1132 करोड़ था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

बढ़ाकर रुपए 10,000 करोड़ कर दिया है। यह नौ गुना वृद्धि बिहार की आकांक्षाओं और जरूरतों के प्रति केंद्र सरकार की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, आखिरकार, इन परियोजनाओं की शुरुआत भी एनडीए सरकार ने की थी और समापन भी एनडीए सरकार ने किया है। इससे स्पष्ट है कि बिहार की जनता के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है।

शिवहर–सीतामढ़ी रेलवे प्रोजेक्ट को मिली नई गति :

लोकसभा में चर्चा के दौरान शिवहरसीतामढ़ी परियोजना पर बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। बागमती नदी पर बनने वाला पुल, जो देकुली धाम शिवहर को जोड़ेगा, उसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण के लिए रुपए 262 करोड़ की राशि पहले ही जमा कर दी गई है और कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, सीतामढ़ीशिवहर नई रेल लाइन परियोजना के लिए रुपए 557 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं, और उसका कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है।

अमृत भारत ट्रेनों की सौगात :

वैष्णव ने यह भी कहा कि बिहार के विभिन्न क्षेत्रों को नई अमृत भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है, जो पटना से दिल्ली, दरभंगा से दिल्ली, और दरभंगा से बैंगलोर जैसे प्रमुख मार्गों पर शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा की अमृत भारत ट्रेनें प्रधानमंत्री जी की एक दूरदर्शी योजना का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य यह है कि गरीब से गरीब वर्ग को भी बेहतर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

एसआईआर को लेकर

बिहार विधानसभा में तेजस्वी और नीतीश के बीच तीखी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में बुधवार को उस समय नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी बयान के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हस्तक्षेप के बाद तीखी बहस शुरू हो गई। सदन की कार्यवाही पूर्वा 11 बजे शुरू हुई लेकिन हंगामा बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने 30 मिनट बाद ही इसे अपरा दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। यादव ने असंसदीय भाषा के इस्तेमाल को लेकर कई विपक्षी नेताओं के प्रति नाराजगी जाहिर की और बार-बार अनुरोध के बावजूद शांत नहीं होने पर सत्तापक्ष के सदस्यों के समक्ष भी अप्रसन्नता जाहिर की। राज्य में निर्वाचन आयोग की कवायद के विरोध में काली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे विपक्ष के नेता को विधानसभा अध्यक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर बयान देने की अनुमति दी। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को भी सदन के अंदर और बाहर प्रदर्शन किया गया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता को बोलने देने से पहले विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ''कल कुछ बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं। सदन के कुछ कर्मचारी भी घायल हुए। कृपया सुनिश्चित करें कि आज ऐसा कुछ न हो।'' यादव ने कहा, ''हम विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग जिस तरह से इस प्रक्रिया को लागू कर रहा है, वह आपत्तिजनक है।''

ओडिशा में प्रेमी ने सार्वजनिक कीं निजी तस्वीरें, छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में नर्सिंग की एक छात्रा ने प्रेमी द्वारा कथित तौर पर उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने के बाद जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। नबरंगपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मडकर संदीप संपत ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि द्वितीय वर्ष की नर्सिंग की छात्रा का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि पुलिस ने उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। कॉलेज के छात्र और मामले में आरोपी ने कथित तौर पर 17 जुलाई को तस्वीरें और वीडियो अपलोड किए थे, जब उसे जयपुर जिले में छात्रा पर हमला करने के एक मामले में जमानत मिली थी।

भाजपा ने सपा पर मस्जिद में राजनीतिक बैठक करने का आरोप लगाया, अखिलेश का पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। संसद के पास स्थित एक मस्जिद के अंदर राजनीतिक बैठक आयोजित करने के भाजपा के आरोप पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने बुधवार को कहा कि यह एक सामाजिक मेलजोल था और सत्तारूढ़ दल बिहार में मतदाता सूची संशोधन और पहलगाम हमले में 'खुफिया विफलता' जैसे वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए लोगों को गुमराह कर रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पार्टी सांसद मोहिबुल्ला नदवी (जो संसद के पास स्थित मस्जिद के इमाम भी हैं), डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, जिया उर रहमान बर्क सहित अन्य लोगों की मस्जिद में बैठे हुए एक तस्वीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने साझा की और दावा किया कि यह एक राजनीतिक बैठक थी। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि अखिलेश यादव ने संसद के पास स्थित मस्जिद में राजनीतिक बैठक की थी।

समाज और श्रम बाजार पर

नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने की जरूरत : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को समाज और श्रम बाजार पर उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इनका रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने असंगठित क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रमिकों को अपने नियोक्ताओं द्वारा किसी भी प्रकार के शोषण का सामना न करना पड़े। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया तथा विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भागवत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इसके उपयोग से जुड़ी चिंताओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''प्रौद्योगिकी आ रही है... जब नई प्रौद्योगिकियां आती हैं, तो वे साथ में कई नए प्रश्न भी लेकर आती हैं। बेरोजगारी का क्या होगा? क्या इससे बेरोजगारी घटेगी या बढ़ेगी?'' उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी मानव स्वभाव को ''कुछ हद तक कठोर'' बना देती है और ''कहीं न कहीं'' श्रम के प्रति सम्मान को कम कर देती है। संघ प्रमुख ने कहा, ''प्रौद्योगिकी को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। नई प्रौद्योगिकी आएगी, लेकिन इसका उपयोग कैसे किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका श्रम क्षेत्र पर प्रभाव न पड़े, इस पर विचार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''नई प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से समाज में नई समस्याएं पैदा होने के बजाय, खुशहाली आनी चाहिए।

अवैध प्रवासियों के प्रवेश के खिलाफ मणिपुर सरकार ने परामर्श जारी किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर सरकार ने पड़ोसी देशों में अशांति के कारण संभावित घुसपैठ की चिंताओं के बीच बुधवार को सभी अंतरराष्ट्रीय, अंतरराज्यीय और जिलों की सीमाओं पर सतर्कता बढ़ाने के लिए एक परामर्श जारी किया है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

दक्षिण भारत के बेंगलूरु में बनेगा पहला अणुव्रत भवन, चिप्पड़ बने संयोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अणुव्रत समिति की नई कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में अध्यक्ष ललित बाबेल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भवन में चातुर्मास करने आए मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने उपस्थित होकर गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के आयामों को जन जन तक पहुंचाने के लिए सतत् कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शहर में अणुव्रत समिति का अपना एक भवन होना चाहिए, जिसके लिए पूरे समाज को एक होकर प्रयास करना चाहिए। मुनिश्री की प्रेरणा को साकार करने हेतु परामर्शक कन्हैयालाल चिप्पड़ एवं हस्तीमल हिरन ने अणुव्रत भवन बनाने के लिए भरपूर योगदान देने की भावना रखी।

बैठक में सर्वसम्मति से अणुव्रत भवन निर्माण के लिए कन्हैयालाल चिप्पड़ को ही संयोजकीय दायित्व सौंपा गया। बैठक में भावी कार्यों पर भी चर्चा हुई तथा अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट की जिला स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि व स्थान को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। इस मौके पर महासभा के हुब्बल्ली संभाग के आंचलिक प्रभारी रमेश चोपड़ा का सम्मान किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष देवराज रायसोनी, परामर्शक माणकचंद मुथा, कन्हैयालाल चिप्पड़, हस्तीमल हिरण, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, सहमंत्री सुरेश चावत, अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतियोगिता की राज्य प्रभारी शांति सकलेचा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे। बैठक का संचालन मंत्री लाभेश कांसवा ने किया।

चिराग पासवान ने बिहार में एसआईआर पर विपक्ष के 'दोहरे मानदंड' की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष पर दोहरा मानदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को इसकी आलोचना की और सवाल किया कि वे उस कवायद पर कैसे आपत्ति कर सकते हैं जिसकी उन्होंने पूर्व में मांग की थी। जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा ने एसआईआर की वकालत करते हुए कहा कि फर्जी मतदान को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग की यह कवायद जरूरी है। बाईस साल बाद, निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची से अपात्र लोगों को हटाने और सभी पात्र नागरिकों को सूची में शामिल करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण में जुटा हुआ है। आयोग के अनुसार, इससे उन मतदाताओं की 'डुप्लिकेट' प्रविष्टियों को हटाने में भी मदद मिलेगी, जिनके नाम कई जगहों पर मतदाता सूची में हैं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''यह मेरी समझ से परे है कि जब कोई समस्या होती है तो आप शिकायत करते हैं और समाधान पर भी सवाल उठाते हैं।''

विधानसभा मार्च के दौरान पार्टी समर्थकों के घायल होने के बाद

पटना पुलिस पर भड़के प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की बुधवार को पार्टी के विधानसभा मार्च को रोकने के लिए किए गए हल्के बल प्रयोग में कुछ समर्थकों के घायल होने के बाद पुलिस से झड़प हो गई।

पटना सेंट्रल की पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीक्षा के अनुसार, समर्थकों को विधानसभा परिसर से कुछ सौ मीटर दूर चितकोहरा गोलचक्कर पर रोक लिया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र है, जहां किसी सार्वजनिक सभा या प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। इसलिए जब भीड़ को विधानसभा परिसर की ओर बढ़ते देखा गया तो अवरोधक लगा दिए गए और जब उन्होंने जबरन आगे बढ़ने की कोशिश की तो हल्का बल प्रयोग किया गया। पार्टी कुछ महीने पहले किशोर द्वारा शुरू किए गए हस्ताक्षर अभियान के दौरान एकत्र किए गए एक करोड़ हस्ताक्षरों के साथ मार्च निकाल रही थी। मार्च का उद्देश्य नीतीश कुमार सरकार द्वारा दो साल पहले किए गए जाति सर्वेक्षण के बाद गरीबों को सहायता प्रदान करने में कथित विफलता और भूमि सर्वेक्षण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को रोकने में असमर्थता को उजागर करना था। किशोर ने मार्च स्थल पर ही धरने पर बैठने का फैसला किया, जिससे पटना हवाई अड्डे को विधानसभा परिसर, सचिवालय, राजभवन और मुख्यमंत्री आवास जैसे वीआईपी क्षेत्रों से जोड़ने वाले गोलचक्कर के पास यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, दो महीने से हम इन मुद्दों को उठाने के लिए सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने का समय मांग रहे हैं। अब जब कोई विकल्प नहीं बचा है और हम सड़कों पर उतर आए हैं। मुझे बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव पांच सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए तैयार हैं।

किशोर ने कहा, इसका क्या मतलब होगा? मुख्य सचिव के पास क्या शक्ति है? हमें मुख्यमंत्री से मिलने का समय चाहिए। जब तक हमें मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिल जाता, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं।

अरसीकेरे में शांतिसूरी धाम तीर्थ की 22 फरवरी को होगी मंगलमय प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर के खिंवेसरा भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वर जी ने सभा में अरसीकेरे स्थित दक्षिण शांतिसूरी धाम तीर्थ की प्रतिष्ठा महोत्सव तिथि की घोषणा करते हुए आगामी वर्ष के 22 फरवरी का शुभ मुहूर्त प्रदान किया। इस मौके पर आचार्य देवेंद्रसागरजी ने कहा कि विजयशांति गुरुदेव ने अपने जीवन में अनेक कठिन व्रत, उपवास और नियमों का पालन कर अनगिनत साधकों को संयम की राह दिखाई। यह प्रतिष्ठा केवल एक आयोजन नहीं है अपितु पुण्य अर्जन का अवसर है।

आने वाले समय में यह तीर्थ विजयशांतिसूरि गुरुदेव की कीर्ति एवं जिनशासन की स्थायी प्रभावना का प्रेरणास्रोत बनेगा। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के अध्यक्ष अशोककुमार सुराना ने आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। विजयशांतिसूरी ट्रस्ट के चेयरमैन ताराचंद राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय विधिकारक मनोजकुमार रण के मार्गदर्शन में होने वाले इस प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी श्रद्धालुओं को शामिल होने का न्यौता दिया। अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा व महासचिव विजयकुमार सुराना ने बताया कि प्रतिष्ठा निमित्त चढ़ावे आगामी 10 अगस्त को आयोजित किए गए हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व राजाजीनगर संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में आपराधिक घटनाओं में हालिया वृद्धि के पीछे विपक्ष की साजिश : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में आपराधिक घटनाओं में हालिया वृद्धि के पीछे ''विपक्ष की साजिश'' का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने कभी भी अपराधियों को संरक्षण नहीं दिया और राज्य में अपराधियों को पकड़ने के लिए नीतीश कुमार सरकार ने त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विपक्षी दलों द्वारा विरोध किए जाने की आलोचना की तथा उन पर इस कवायद के खिलाफ बिहार विधानसभा और संसद में ''गुंडागर्दी'' करने का आरोप लगाया।

सिंह ने कहा कि एसआईआर की कवायद के जरिये मतदाता सूची से ''फर्जी मतदाताओं'' और ''घुसपैठियों'' के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक बिहार में अपराध से जुड़े आरोपों का सवाल है, पिछले तीन-चार महीनों में इसमें तेजी आई है। सिंह ने कहा, ''मेरा आरोप है कि इसमें विपक्ष की भी साजिश है क्योंकि जो लोग पकड़े जा रहे हैं, वे या तो किसी खास जाति या किसी खास समुदाय से हैं, चाहे वह खेमका हत्याकांड हो या पारस अस्पताल की घटना।'' बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा सांसद ने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना सरकार का कर्तव्य है और अपराधियों को संरक्षण देना ''पाप'' है, जो राज्य में ''राजद (राष्ट्रीय जनता दल) शासन के दौरान हुआ।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''लालू प्रसाद के शासनकाल में अपराधियों से सौदेबाजी मुख्यमंत्री आवास में होती थी।'' सिंह ने कहा, ''एनडीए (राजग) ने कभी भी अपराधियों को संरक्षण नहीं दिया। अपराधियों को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाती है।'' बिहार में एसआईआर की कवायद के संबंध में विपक्षी दलों के आरोपों पर सिंह ने कहा कि उन्हें इस बात से पीड़ा हो रही है कि मतदाता सूची से ''फर्जी'' मतदाताओं और घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा, ''जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम हटाए जा रहे हैं। जो लोग बाहर चले गए हैं, उनके नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर कोई विदेशी, रोहिंग्या, बांग्लादेशी या घुसपैठिया है, तो ऐसे लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि चुनाव में केवल भारतीय नागरिक ही मतदान करेंगे। उन्होंने एसआईआर की कवायद पर हंगामा खड़ा करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा, हाल ही में बिहार विधानसभा में (विपक्ष की) अराजकता और गुंडागर्दी देखने को मिली। विपक्षी दल संसद भवन परिसर में भी प्रदर्शन कर रहे हैं और संवैधानिक व्यवस्था पर आरोप लगा रहे हैं।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दीर्घायु इंस्टीट्यूशन ऑफ योग संस्थान द्वारा गंगोंडनहली स्थित कनक भवन में राज्य स्तरीय योग स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

सुविचार

आत्मविश्वास वह शक्ति है जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाषा के प्रचार का यह कैसा तरीका?

इन दिनों महाराष्ट्र में जिस तरह मराठी बनाम हिंदी भाषा का मुद्दा उछाला जा रहा है, वह हमारे देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। कुछ नेता अपना वोटबैंक पक्का करने के लिए देशवासियों को एक-दूसरे के खिलाफ उकसा रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों को यह बात समझनी होगी कि विविधता में एकता हमारे देश की ताकत है। अगर हम भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद के नाम पर आपस में लड़ते-भिड़ते रहेंगे तो देश कमजोर होगा। भारतविरोधी ताकतें चाहती हैं कि देश में ऐसे हालात पैदा हों कि लोग किसी-न-किसी बहाने से एक-दूसरे का गिरेबान पकड़ें। लोगों को सोचना होगा कि कहीं हम अनजाने में उनके मंसूबे तो पूरे नहीं कर रहे हैं? मराठी बहुत सुंदर भाषा है। यह महान संतों और योद्धाओं की भाषा है। जब भी इस भाषा का उल्लेख होता है, छत्रपति शिवाजी महाराज की छवि का स्मरण हो जाता है। जो लोग महाराष्ट्र में रहते हैं, अगर वे मराठी भाषा सीखेंगे तो उनके लिए विभिन्न कार्यों में आसानी होगी। यह बात हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में लागू होती है। जो व्यक्ति किसी जगह की भाषा जानता है, वह उधर आसानी से संवाद कर सकता है, लोगों के साथ घुलमिल सकता है। भाषा सीखने के अपने फायदे हैं, लेकिन इसके लिए लोगों को धमकाना, अपमानित करना गलत है। क्या इस तरह अपनी भाषा का प्रचार किया जा सकता है? इससे अन्य लोगों में क्या संदेश जाएगा? क्या वे अपमानित महसूस करने के बाद उस भाषा और समाज के लिए अपने मन में सम्मान की भावना रखेंगे?

कोई भी भाषा रातोंरात नहीं सीखी जा सकती। उसमें समय लगता है। कुछ लोग पांच साल में संबंधित भाषा नहीं सीख पाते, वहीं ऐसे लोग भी मिल जाएंगे, जो दो-चार महीने में बढ़िया पकड़ बना लेते हैं। हर व्यक्ति की सीखने की क्षमता अलग-अलग होती है। ऐसे में राह चलते, बाजार में खरीदारी करते किसी शख्स को रोक कर यह कहना कि 'हमारी भाषा में बात करें, अन्यथा राज्य छोड़कर चले जाएं', कहां तक उचित है? ऐसी हरकतों से कुछ लोग भयभीत हो सकते हैं, लेकिन कुछ लोग डटकर विरोध भी कर सकते हैं। वे संबंधित भाषा सीखने से साफ इन्कार कर सकते हैं। क्या भाषावाद के नाम पर सियासी रोटियां सेक रहे नेता जानते हैं कि इससे सामाजिक सद्भाव पर क्या असर होगा? हमारे देश की सभी भाषाएं बहुत सुंदर हैं। उनमें उत्कृष्ट साहित्य रचा गया है। उनका व्याकरण अद्भुत है। भाषा का प्रचार-प्रसार प्रेम और सद्भाव से ही किया जा सकता है। भाषा के नाम पर लोगों को सताने, चिढ़ाने से नेताओं को क्षणिक लाभ तो मिल सकता है, लेकिन इससे देश में एकता की डोर कमजोर हो सकती है। अगर किसी इलाके में लंबी अवधि तक भाषावाद का मुद्दा प्रबल रहेगा तो उससे निवेशक मुंह मोड़ सकते हैं। वे उन राज्यों का रुख कर सकते हैं, जो भाषा के मामले में 'उदार' हों। क्या इससे भाषावाद प्रभावित इलाकों में लोगों के आर्थिक हितों को नुकसान नहीं होगा? जो नेता आज भाषावाद के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं, वे भविष्य में कोई और शिगूफा छोड़ेंगे, उससे वोटबैंक बनाने की चाल चलेंगे। यह सिलसिला हमें कहां लेकर जाएगा? इससे जनता को क्या फायदा होगा? लोगों में फूट डालने वाले ऐसे नेता और उनके परिजन कभी तो विदेश जाते होंगे! अगर वहां उनसे स्थानीय लोग कहने लगें कि 'यहां आना है तो हमारी भाषा बोलें', तो उन्हें कैसा लगेगा? भाषाओं को जोड़ने का माध्यम बनाएं, तोड़ने का नहीं। इस देश को एकजुट करने के लिए हमारे पूर्वजों ने असंख्य बलिदान दिए हैं। जो नेता किसी भी तरीके से देशवासियों में भेद पैदा करने की कोशिश करे, उससे सावधान रहें।

ट्वीटर टॉक

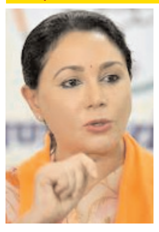

अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ में कावड़ यात्रा के दौरान हुए हादसे में दो श्रद्धालुओं के निधन एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।

-दीया कुमारी

जन सेवा ही राजनीति का प्रथम उद्देश्य है। आज जयपुर स्थित राजकीय आवास पर जन सुनवाई के समय जनमानस द्वारा प्रकट समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए । समस्याओं का त्वरित समाधान ही मेरी प्राथमिकता है।

-मदन दिलावर

संसद के संविधान सदन में आज महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी की जयंती पर भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। स्वराज को जन्मसिद्ध अधिकार घोषित कर स्वतंत्रता संग्राम को जनआंदोलन में परिवर्तित करने वाले युगपुरुष को शत-शत नमन।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भविष्य की कला

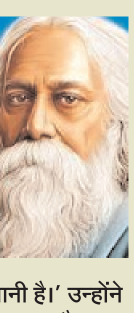

शांतिनिकेतन में एक प्रदर्शनी लगी थी, जिसमें विद्यार्थियों की बनाई चित्रकला प्रदर्शित हो रही थी। रवींद्रनाथ ठाकुर वहां आए। चित्र देखते हुए उनकी नज़र एक कोने में रखी बेहद साधारण-से चित्र पर पड़ी जिसमें पेड़, सूरज और एक पक्षी था। उन्होंने उसे गौर से देखा और पास खड़े शिक्षक से पूछा, 'यह किसने बनाया?' शिक्षक ने कहा, 'यह एक 9 साल का लड़का है, जो गांव से आया है। अभी सीख ही रहा है, चित्र साधारण है।' गुरुदेव मुस्कुराए और बोले, 'यह चित्र साधारण नहीं है, इसकी आंखें गहरी हैं। इसमें डर नहीं है, यही कला की पहली निशानी है।' उन्होंने उस चित्र के नीचे अपने हाथ से लिखा 'इस चित्र में भविष्य बोल रहा है।' वह बालक, जिसे लोग सामान्य समझते थे, वर्षों बाद प्रसिद्ध चित्रकार बिनोद बिहारी मुखर्जी बना शांतिनिकेतन का स्तंभ और बाद में रवींद्रनाथ के ही संग्रहालयों का सज्जाकार।

सामयिक

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

ग्यारह जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया।

इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। दोषी को सजा मिलनी चाहिए-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन निर्दोष को दंड न मिले-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए,

लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर नतीजे पहले, जांच बाद में' का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि 'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।

यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिए बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

नजरिया

मौजूदा समय में राष्ट्रवादी जागरण का अभियान है कांवड़ यात्रा!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

समय के साथ साथ परिवर्तन संसार का नियम है। ऐसे समय मे जब भारतीय डेमोग्राफी को प्रभावित करने के लिए देश विरोधी ताकतों द्वारा विदेशी फंडिंग से लवजेहाद और धर्मांतरण की बड़ी साजिश चल रहीं हैं वही अनेक ईसाई मिशनरिया गुपचुप ढंग से धर्मांतरण के काम को अंजाम दे रही हैतब एक सुप्त समाज के जागरण के लिए समेकित प्रयास जरूरी हो जाता है।

इस वसुंधरा को जीवंत रखने और जीने का अधिकार जिंदा कौमों को होता है यदि जिंदगी है तो उसमे जीवन का उत्सव भरा उत्साह और उमंग भी होना चाहिए इसी उत्सव उल्लास उमंग का यदि करीब से अनुभव महसूसु करना चाहते हैं तो सावन माह में गंगा जल ला रहे करोड़ों कांवड़ियों को देखिए। छोटे अधोवस्त्रों में कांधे पर कांवड़ लेकर पवित्र जल से अपने अराध्य भोले बाबा को जलाभिषेक करने के लिए सैकड़ों हजारों किलोमीटर की कष्ट भरी पदयात्रा हर किसी के बूते की बात नही है दस से पंद्रह दिन के लिए अपने घर बार नौकरी व्यापार को छोड़ कर भगवा अधोवस्त्रों में दुरुह यात्रा करना आसान नहीं है आप को बता देंकि एक कांवड़िया जब अपने घर से जल लेने के लिए कांवड उठा लेता है तो वह सिर्फ भोला कहलाता है उसकी पहचान जाति वर्ण क्षेत्र से नही होती है। जान लीजिए कि यात्रा के दौरान तमाम सौंदर्य प्रसाधन साबुन मंजन क्रीम का उपयोग भी वर्जित होता है। कांवड़ यात्रा स्वयं में एक साधना है अब इस में धर्म अध्यात्म के साथ राष्ट्र व धर्म रक्षा के लिए जागरुकता फैलाने का ध्येय भी जुड़ा है। आपको बता दें कि सबसे अधिक कांवड़ यात्री उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगा जल ले कर उठाते हैं।

भगवान शिव की आराधना के लिए श्रावण मास श्रेष्ठ माना जाता है। इस महीने जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर में श्री अमरनाथ धाम की यात्रा के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं, उसी प्रकार शीघ्र प्रसन्न होने वाले आशुतोष भगवान शिव शम्भू के जलाभिषेक के लिए लाखों युवा, बूढ़े और किशोर भक्तों द्वारा कांवड़ में पवित्र नदियों का जल भर कर ले जाने की परम्परा लम्बे समय से चली आ रही है।

श्रावण मास में कांवड़ उठाकर शिवालयों में गंगा जल चढ़ाने की शिव भक्तों की इस परम्परा ने आज एक मेले का रूप धारण कर लिया है। इनमें मात्र कंधे पर कांवड़ उठाकर चलने वाले भक्त ही नहीं होते, दंडवत होकर भारी कष्ट उठाते हुए सारा मार्ग लेट कर पूरा करने वाले शिव भक्त भी होते हैं। इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह से जारी है।

अनेक स्थानों पर कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा करके उनका स्वागत किया जा रहा है तथा कांवड़ यात्रा मे शामिल झाकियां मौजूदा समय में धर्म समाज और राष्ट्र के सामने आ रही चुनौतियों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास कर रहीं हैं। भक्तों को आकर्षित कर रही हैं हजारों झांकियां देश के बहुसंख्यक हिन्दू समाज को कायरता त्याग कर धर्म समाज की सुरक्षा रक्षा के लिए बिना जाति भाषा भेदभाव के एकजुट होकर धर्मांतरण और लवजेहाद में लगी असामाजिक चरमपंथी ताकतों के खिलाफ जागरूक करने का भी बहुत बड़ा काम कर रहीं हैं। इसी कड़ी में हिन्दू जागरण मंच श्रीगंगानगर नगर राजस्थान के स्वयंसेवी कांवड़ियों द्वारा लवजेहाद के खिलाफ एक मार्मिक झांकी हरिद्वार से श्रीगंगानगर नगर तक की कांवड यात्रा में शामिल कर समाज में जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। इसी तरह 'बागपत' (उत्तर प्रदेश) से लाई गई 'बुल्डोजर कांवड़' लोगों के आकर्षण का विषय बनी हुई है। इसमें बुल्डोजर पर भगवान शिव की भव्य प्रतिमा को भगवा ध्वज के साथ स्थापित किया गया है। एक कांवड़ यात्रा 'आपरेशन सिंदूर' के थीम पर भी निकाली गई है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेना का चित्र लगाया गया है और शहीद जवानों के फोटो लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई है।

'मेरठ' के 4 किसान भाई अपने माता-पिता को कंधे पर बिठा कर कांवड़ यात्रा पर निकले हैं और प्रतिदिन लगभग 15 किलोमीटर की यात्रा करते हैं। इससे पूर्व इन चारों भाइयों ने अपने दादा-दादी को भी इसी प्रकार 2 बार कांवड़ यात्रा करवाई थी इसी प्रकार 'मुजफ्फरनगर' की रहने वाली एक महिला अपने दिव्यांग पति को पीठ पर बिठाकर उसके स्वास्थ्य की कामना के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर 2 बच्चों के साथ कांवड़ लेकर निकली है।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कांवड़ सेवा शिविर में पहुंची 'कैराना' की सांसद 'इकरा हसन' ने अपने हाथों से भोजन परोस कर साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की और शिव भक्तों की सेवा कर सबका दिल जीत लिया। 'पटना' जिले के 'मारुफगंज' स्थित 'विशाल शिवधारी संघ' के 500 से अधिक शिवभक्तों ने 'सुल्तानगंज' से गंगाजल भर कर 54 फुट लम्बी विशाल कांवड़ के साथ देवघर के लिए यात्रा शुरू की है। इस कांवड़ पर चांदी का मंदिर, चांदी की छतरी और 6 बड़े घड़े लगे हैं जिनमें कुल 50 लीटर गंगा जल भरा गया है। 'हरिद्वार' से निकाली गई एक अन्य कांवड़ यात्रा में गऊमाता की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की गई है। इसमें कांवड़िए गंगा जल लेकर एक विशेष रथ पर गाय माता की प्रतिमा को स्थापित कर पैदल चल रहे थे 'बागपत' में सोने का काम करने वाले एक शिव भक्त 'अंकित' ने भगवान भोले नाथ की भक्ति में ऐसा रंग जमाया है कि जगह-जगह लोग उसे देखने को रुक जाते हैं। वह अपनी 'गोल्डन मोटरसाइकिल' पर सोने जैसी चमकती शिव प्रतिमा को विराजमान कर हरिद्वार से जल लेकर निकले हैं।

कभी वह भोले बाबा की प्रतिमा को मोटरसाइकिल पर बिठा देते हैं तो कभी श्रद्धा से अपने सिर पर उठा लेते हैं। कहीं लोग फूलों की मालाएं पहनाकर उनका स्वागत करते हैं तो कहीं उनके पैरों में फूल बिछा कर आशीर्वाद ले रहे हैं और 'भोले बाबा की जय', 'गोल्डन बाबा की जय' के नारे लगाते हैं। ऐसे शिवमय वातावरण के बीच कहा जाता है कि चंद कांवड़ियों के वेश में कुछ असामाजिक तत्वों से ऐसी हरकतें हुईं, जिनमें पुलिस को कांवड़िया वेश धारी फर्जी भक्तों पर लाठियां बरसानी पड़ीं। बस्ती जिले में एक धार्मिक स्थल को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के चलते कांवड़ियों ने हंगामा किया तथा बैरियर एवं पोस्टर उखाड़ कर आग लगा दी।

इस तरह के हालात में हम तो यही कहना चाहेंगे कि जिस भावना से शिवभक्त कांवड़ लेकर निकले हैं, उसकी गरिमा बनाए रखें और अपने किसी कृत्य से आलोचना के पात्र न बनें।वहीं सोशल मीडिया पर जानबूझकर धर्म व संस्कृति विरोधी ताकतें कांवड़ यात्रा के खिलाफ दुष्प्रचार का टूल किट का प्रयोग कर रहे हैं ऐसे लोगों से सावधान रह कर यात्रा की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प होना चाहिए अपने आसपास मर्यादा तोड़ रहे कांवड़िया वेशधारी को पहले समझाने का प्रयास करें नहीं माने तो पुलिस को सोंप दें। कांवड़ यात्रा को दूषित होने से बचाना सभी श्रद्धालुओं का कर्तव्य है हम मानते हैं कि जो लोग बिना किसी परवाह किए धार्मिक राष्ट्रीय भावना से प्रभावित होकर सैकड़ों हजारों किलोमीटर की कष्ट भरी कांवड़ यात्रा मे जा सकते हैं वह जरूरत पड़ने पर राष्ट्र की रक्षा के लिए सीमा पर भी जा सकते हैं घर बैठ कर सोशल मीडिया पर वायरल चंद रीलों के आधार पर कांवड़ियों के प्रति गलत विचार न बनाए यह भोले नाथ की फौज है जो जरूरत पड़ने पर जेहादियों का जबाव देने मे सक्षम है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बांध के निर्माण से भारत, बांग्लादेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण कार्य शुरू करने के फैसले का बुधवार को बचाव करते हुए भारत और बांग्लादेश जैसे निचले तटवर्ती देशों पर इसके प्रभाव को लेकर जारी चिंताओं को खारिज किया।

ऐसा माना जा रहा है कि भारत ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े जल विद्युत बांध के निर्माण पर कड़ी नजर रख रहा है।

चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित न्यिंगची शहर में यारलुंग जांगबो नदी के निचले हिस्से में बांध का निर्माण शुरू किए जाने की घोषणा की। चीन में ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बांध को लेकर भारत और बांग्लादेश की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस परियोजना का निचले इलाकों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। भारत में इस बांध के संभावित पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बांध को जल बम के समान बताया था, जो देश के निचले इलाकों में जल प्रलय ला सकता है।

खांडू ने आठ जुलाई को 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा था कि ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए बाध्य कर सकती थी। उन्होंने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वह कब क्या कर बैठे। इस बांध से हर साल 300 अरब किलोवाट घंटे से ज्यादा बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जो 30 करोड़ से ज्यादा लोगों की वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। भारत में इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं कि बांध के आकार और पैमाने के कारण चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने की ताकत तो मिलेगा ही, साथ ही इससे बीजिंग भारी मात्रा में पानी छोड़ने में सक्षम हो जाएगा, जिससे भारतीय सीमा के क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है।

गुओ ने निचले तटवर्ती राज्यों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि चीन ने जल विज्ञान संबंधी आंकड़े और बाढ़ की रोकथाम एवं आपदा निवारण के उपाय साझा करके उनके साथ सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि चीन ने इस परियोजना के संबंध में दोनों देशों के साथ आवश्यक बातचीत की है और वह नदी के किनारे रहने वाले लोगों के हित के लिए निचले इलाकों के साथ सहयोग बढ़ाना जारी रखेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले क्षेत्र में परियोजना का विकास चीन की संप्रभुता का मामला है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का मकसद स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करना, स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार लाना और जलवायु परिवर्तन से निपटना है। गुओ ने दावा किया कि चीन निचले इलाकों में जल विद्युत परियोजनाओं की योजना, डिजाइन और निर्माण के मामले में पारिस्थितिकी तंत्र की चौतरफा सुरक्षा के लिए उच्चतम औद्योगिक मानकों का सख्ती से पालन करता है। उन्होंने कहा कि परियोजना के विकास से नदी के किनारे आपदाओं को रोकने में मदद मिलेगी और निचले इलाकों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पाकिस्तान में बारिश, बाढ़ से मरने वालों की संख्या 234 हुई, पंजाब प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के कई हिस्सों में मानसून की बारिश के कारण बाढ़ आ गई है, जिससे जून के अंत से अब तक 234 लोगों की मौत हो चुकी है और इनमें से ज्यादातर पंजाब प्रांत से हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा 22 से 24 जुलाई तक पंजाब में प्रमुख नदियों और आसपास के जलाशयों में बाढ़ के खतरे की चेतावनी के साथ प्रशासन निकासी के प्रयास जारी रखे हुए है और लोगों से अपने मवेशियों के साथ स्थानांतरित होने का आग्रह कर रहे हैं, क्योंकि बाढ़ के पानी की वजह से घरों, खेतों और सड़क बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों ने बताया कि चेनाब, सिंधु और झेलम नदियों में जलस्तर बढ़ने के कारण पंजाब प्रांत के मुजफ्फरगढ़, डेरा गाजी खान, रहीम यार खान, झांग और ननकाना साहिब के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में मरने वालों की संख्या 223 से बढ़कर 234 हो गई।

एनडीएमए ने मंगलवार को कहा था कि पंजाब सबसे अधिक प्रभावित प्रांत बना हुआ है, जहां 135 लोगों की मौत हो चुकी है और 470 लोग घायल हुए हैं।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित की।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि रावी और सिंधु नदियों में भी जलस्तर बढ़ने की सूचना मिली है।

अधिकारी ने बताया कि सिंधु नदी में आई बाढ़ के कारण पंजाब के सैकड़ों गांवों में खड़ी फसलें भी जलमग्न हो गई हैं।

इस बीच, बुधवार को भारी बारिश के कारण खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गए और नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ गया और इस कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

पूजा

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हुए।

भारत ने विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के गलत शव मिलने संबंधी ब्रिटिश मीडिया की खबर खारिज की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने ब्रिटिश मीडिया की उस खबर को बुधवार को खारिज किया जिसमें दावा किया गया है कि ब्रिटेन में शोक संतप्त दो परिवारों को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले उनके प्रियजनों के गलत शव मिले थे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया था और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया था।

लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे विमान में सवार 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई थी। इस हादसे में जमीन पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गये थे।

मारे गये लोगों में 53 ब्रिटिश नागरिक शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने खबर देखी है और जब से ये चिंताएं एवं मुद्दे हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, हम ब्रिटेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस दुर्घटना के बाद संबंधित अधिकारियों ने स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार मृतकों की पहचान की थी।''

जायसवाल 12 जून के एअर इंडिया विमान हादसे के बारे में 'डेली मेल' में छपी एक खबर के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

टिस्का चोपड़ा ने रियल एस्टेट की जगह फैशन में निवेश की बताई वजह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रियल एस्टेट की बजाय फैशन में निवेश क्यों किया। अभिनेत्री ने हालिया पोस्ट के जरिए जूतों के प्रति अपने आकर्षण को दर्शाया है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपनी लगभग 50 जोड़ी हील्स से घिरी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में जूतों का एक संग्रह दिखाई दे रहा है, जिसमें हील्स, सैंडल और अन्य स्टाइलिश जूते शामिल हैं। उन्होंने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, वो कहते हैं कि मैं जूतों की बजाय रियल एस्टेट में निवेश कर सकती थी... लेकिन, आप डुप्लेक्स में नहीं घूम सकते।

अभिनेत्री को आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' के कलाकारों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। स्पोर्ट्स कॉमेडी देखने के बाद टिस्का ने इसे 'दिल से भरा' बताया। उन्होंने फिल्म के कास्ट

और क्रू के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता। उन्होंने आमिर के अभिनय और फिल्म मेकिंग की तारीफ करते हुए कहा, यह फिल्म न्यूरो-डायवर्जेंस जैसे संवेदनशील विषय को बेहद खूबसूरती से पेश करती है। यह कोई दुख भरी कहानी नहीं, बल्कि सशक्त और प्रेरणादायक है।

अभिनेत्री ने आगे बताया, न्यूरो डायवर्जेंट किरदारों को सामान्य, खुशहाल और स्वाभाविक तरीके से दिखाया गया है, जो इसे खास बनाता है। उन्होंने फिल्म की कास्ट की तारीफ करते हुए कहा, इनके आसपास रहकर मुझे खुशी महसूस होती है, काम देखकर काफी अच्छा लगा। उन्होंने शंकर-एहसान-लॉय के संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के गीतों की भी सराहना की। अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में लिखा, इसे इतनी खूबसूरती से पेश करने के लिए अपर्णा पुरोहित और आमिर खान प्रोडक्शन को बहुत-बहुत धन्यवाद।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आएंगी राशि खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक हरीश शंकर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ एक्ट्रेस राशि खन्ना नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म मेकर्स ने इस बात की जानकारी दी। साथ ही उनके किरदार का खुलासा भी किया। माइथ्री मूवी मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर राशि खन्ना की एक फोटो शेयर की और लिखा, ''हमारी टीम फिल्म में 'श्लोका' का किरदार निभा रही राशि खन्ना का स्वागत करती है। वह अपनी खूबसूरती और प्रतिभा से सेट की रौनक बढ़ा रही हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।''

इस पोस्ट में उन्होंने पवन कल्याण, डायरेक्टर हरीश शंकर और एक्ट्रेस श्रीलीला को भी टैग किया। राशि खन्ना का किरदार 'श्लोका' दमदार है और कहानी के लिए बेहद जरूरी है। उनका किरदार कहानी में नई ताजगी और गहराई लाएगा। 'उस्ताद भगत सिंह' एक पुलिस एक्शन ड्रामा फिल्म है, जो 2016 की तमिल फिल्म थेरी का रीमेक है। इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं इसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। इसके अलावा, फिल्म का शानदार संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। फिल्म में श्रीलीला, के.एस. रविकुमार, आशुतोष राणा, नवाब शाह, केजीएफ फेम अविनाश, और नागा महेश जैसे कलाकार अहम रोल में दिखाई देंगे।

यह फिल्म राशि खन्ना और पवन कल्याण की पहली फिल्म है, जिसमें दोनों एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। हालांकि डायरेक्टर हरीश शंकर के साथ उनकी यह तीसरी फिल्म है। इससे पहले राशि ने हरीश शंकर के साथ 'हाइपर' और 'बंगाल टाइगर' में काम किया था। ये दोनों फिल्में वर्तमान में ओटीटी प्ले प्रीमियम पर देखी जा सकती हैं। पवन कल्याण, जो वर्तमान में आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं, अपने राजनीतिक कार्य और फिल्मों की शूटिंग दोनों को एक साथ संभाल रहे हैं। इस फिल्म के अलावा पवन कल्याण 'हरि हर वीरा मल्लू' में भी नजर आएंगे। 'हरि हर वीरा मल्लू' फिल्म को कृष जगरलामुदी और ए.एम. ज्योति कृष्णा ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क अहम किरदार में नजर आएंगे।

काजोल और ट्विंकल खन्ना की जोड़ी नए स्ट्रीमिंग चैट शो में मचाएगी धमाल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और लेखिका ट्विंकल खन्ना आगामी 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' टॉक शो में साथ आने वाली हैं। शो में दोनों मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी। इस शो में बॉलीवुड और इंडस्ट्री के जाने-माने नाम शामिल होंगे। 'प्राइम वीडियो' इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स प्रमुख, निखिल मधोक ने एक बयान में इस खबर की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, हमें काजोल और ट्विंकल के साथ 'टू मच' की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह अभी तक का पहला टॉक शो है, जिसे भारतीय मनोरंजन जगत की दो हस्तियां होस्ट करेंगी, जो इस शो को नया आगाज देंगी। इस शो में इंडस्ट्री के जाने - माने चेहरे शामिल होंगे। काजोल और ट्विंकल शो में मेहमानों से बातचीत करेंगी। शो में मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी। बनिजय एशिया और एंडेमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने अपकमिंग टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल के बारे में अपनी बात की। उन्होंने बताया कि यह शो भारत के सबसे बड़े सितारों के साथ होगा, जो बेबाकी से अपनी राय रखते और मनोरंजन जगत की बातें करते नजर आएंगे। उन्होंने बताया, यह शो काजोल और ट्विंकल के विशिष्ट, निडर और ताजगी भरे अंदाज से भरपूर होगा। शो में दोस्ती, जीवन के अनुभव और खूब हंसी-मजाक देखने के लिए मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा, बनिजय एशिया में, हम ऐसे मौलिक प्रारूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दर्शकों को बांधे रखें, और 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के साथ, हमें प्राइम वीडियो से बेहतर कोई और साथी नहीं मिल सकता था, जो एक ऐसी स्ट्रीमिंग सर्विस है जो भारत में अनस्क्रिप्टेड कंटेंट को नई परिभाषा दे रही है। 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

एकता कपूर संग फिर से काम करना चाहती हैं अंजुम फाकीह

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकीह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। 'कुंडली भाग्य' और 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी।

अंजुम नए रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव 'में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन

15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

चूल्हे पर खाना बनाने की बात पर उन्होंने हंसते हुए कहा, चूल्हा जलाने पर धुआं आंखों में बहुत चुभता है। मुझे नहीं पता मैं यह कैसे मैनेज करूंगी! जी टीवी का यह रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' रणविजय सिंह होस्ट करेंगे। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी की चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी।

हेलन, रेखा और माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा, कहा- इनको देखकर ही सीखा सब कुछ

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' करीब 4 साल बाद फिर से वापस आ गया है। इस बार शो में और भी ज्यादा जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस सीजन में देशभर से चुने गए 12 टैलेंटेड बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, जो स्टेज पर धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये कंटेस्टेंट न सिर्फ शो के जजों को बल्कि लाइव ऑडियंस को भी अपने डांस से इंप्रेस करेंगे। इस शो के दौरान जज और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कुछ इमोशनल बातें भी शेयर कीं।

उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी और करियर में तीन खास महिलाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। शिल्पा शेट्टी ने कहा, ''मेरी जिंदगी में हमेशा तीन ऐसी महिलाएं रही हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। ये तीन महिलाएं हेलेन जी, रेखा जी और माधुरी दीक्षित जी हैं। हेलेन जी की खासियत यह थी कि वो चाहे कुछ भी पहनें या कोई भी डांस करें, वो कभी भी बुरा नहीं लगता था।

रेखा जी की आंखों में इतना असर था कि वो सिर्फ अपनी नजरों से बहुत कुछ कह देती थीं। उनका लिप-सिंक और एक्सप्रेशन कमाल के थे।'' उन्होंने आगे कहा, ''माधुरी दीक्षित जी के हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही अंदाज होता है। मैंने डांस करना माधुरी दीक्षित के वीडियो को देखकर ही सीखा है। ये तीनों कलाकार हमेशा से मेरी एक बड़ी प्रेरणा रही हैं।''

अपनी मां के बारे में बात करते हुए शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, उसका सबसे बड़ा श्रेय उनकी मां को जाता है, क्योंकि उनकी मां ने हमेशा उनका बिना शर्त साथ दिया और हर मोड़ पर उनका हौसला बढ़ाया। शिल्पा ने कहा, ''मेरी मां ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, जितना कोई सोच भी नहीं सकता। जब मैं 17 साल की थी, तब बहुत मासूम थी और ज्यादा कुछ नहीं जानती थी। उस वक्त मेरी मां मेरे साथ घूमती थीं, और करीब 10 साल तक उन्होंने इस तरह से मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने मुझे सबसे पहले रखा। वह मेरी मां ही नहीं, बल्कि मेरी मैनेजर, सलाहकार और सबसे बड़ी आलोचक भी थीं। मैं जो कुछ भी आज हूं, वो सब अपनी मां की वजह से हूं।'' इस सीजन में फिर से जजों की तिकड़ी में शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर, और मर्जी पेस्तोंजी शो में नजर आएंगे। 'सुपर डांसर चैप्टर 5' हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

रश्मिका मंदाना ने लॉन्च किया अपना फ्रेगरेंस ब्रांड

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की है। उन्होंने इस मौके पर कहा है कि परफ्यूम उनके लिए एक ऐसी चीज है, जो अक्सर उन्हें उन खास पलों में वापस ले जाता हैं, जिन्हें वह भूल जाती हैं। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का परफ्यूम ब्रांड 'डियर डायरी' मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है। अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए, खुशबू का मतलब यादें हैं। मुझे बहुत सी बातें याद नहीं रहतीं, या शायद कुछ चुनिंदा बातें ही याद रहती हैं, लेकिन परफ्यूम उन खास पलों को फिर से ताजा कर देता है जिन्हें मैं शायद भूल जाती हूं। इसी तरह से मैं उन लोगों, जगहों और अनुभवों को याद रखती हूं, जिनकी वजह से मैं आज जो कुछ भी बन पाई हूं।

उन्होंने आगे कहा कि 'डियर डायरी' के जरिए वह सभी को अपनी कहानियों में साथ ले जाने का एक तरीका देना चाहती हैं। रश्मिका ने बताया, उनके परफ्यूम को लॉन्च करने का मकसद बस खुद से जुड़ना, सुकून महसूस करना, एक अच्छा अहसास पाना और बिना किसी झिझक के अपनी

पहचान बताना है।

रश्मिका ने अपने नए फ्रेगरेंस ब्रांड के बारे में बात करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह वाकई मेरे दिल के बहुत करीब है। यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, न ही परफ्यूम है, बल्कि मेरा एक हिस्सा है। खुशबू हमेशा से मेरी निजी जिंदगी का एक अहम हिस्सा रही है... और आज मैं आपके साथ इसको साझा कर रही हूं। उन्होंने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह ब्रांड लॉन्च करने का मौका मिला और मैं इसको लेकर काफी उत्साहित भी हूं। मुझे उम्मीद है कि इसे आगे बढाने के लिए मुझे आप सभी का साथ मिलेगा। इस घोषणा से पहले भी अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की थी।

उन्होंने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार इसे रिकॉर्ड कर रही हूं। जैसा कि आप अब तक जानते ही होंगे, मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज पर काम कर रही हूं। यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मैंने आपके लिए मेरा जीवन का एक छोटा सा हिस्सा भी है। रश्मिका ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप इसे महसूस करेंगे, मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा, यह कल लॉन्च हो रहा है, और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

दक्षिण पूर्व एशिया के हिंदचीन प्रायद्वीप के पूर्व भाग में स्थित है वियतनाम। इसकी सीमाओं पर चीन, लाओस, कंबोडिया तथा दक्षिण चीन सागर देश हैं। यहाँ बौद्ध धर्म का बोलबाला है जो यहाँ का प्रमुख धर्म है।

समुद्रतटों, पहाड़ियों, नदियों वाला हरा-भरा सुंदर मनभावन देश है वियतनाम

आधुनिक गगनचुंबी इमारतों वाले हो ची मिन्ह शहर सहित अनेक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व वाले पर्यटन स्थल मौजूद

■ श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पूर्व एशिया के हिंदचीन प्रायद्वीप के पूर्व भाग में स्थित है वियतनाम। इसकी सीमाओं पर चीन, लाओस, कंबोडिया तथा दक्षिण चीन सागर देश हैं। यहाँ बौद्ध धर्म का बोलबाला है जो यहाँ का प्रमुख धर्म है। वियतनाम की राजधानी हनोई शहर है लेकिन सबसे बड़ा शहर हो चो मिन्ह है।यह हमारा मित्र देश माना जाता है। भारत और वियतनाम के बीच सांस्कृतिक व आर्थिक संबंध सदियों पुराने हैं। यहां की मुद्रा का नाम डोंग है जो भारतीय मुद्रा रुपये की तुलना में काफी सस्ती है। भारत के एक रुपये के बदले लगभग 322 वियतनामी डोंग मिलते हैं, जिन्हें वीएनडी कहा जाता है।

वियतनाम का इतिहास

वैसे तो वियतनाम का इतिहास 2700 वर्षों से अधिक कालखंड का है लेकिन उतना पीछे न जाएं तो भी यह देश 19 वीं सदी में फ्रांस का उपनिवेश बना और 20 वीं सदी के मध्य तक फ्रांसीसियों को इन्होंने खदेड़ कर देश से बाहर कर दिया। देश दो हिस्सों में बंट गया लेकिन आगे चलकर इसने सबसे ताक़तवर देश अमेरिका के भी छक्के छुड़ा दिए। वर्ष 1986 में एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ और यहां आर्थिक व राजनीतिक सुधार आए। गत एक दशक में तो देश का आर्थिक विकास दुनिया में सबसे ज़्यादा तेज़ी से अग्रसर होता दर्ज किया गया।

समुद्रतटों, नदियों वाला हरा-भरा देश

यहाँ की नदियाँ, पहाड़ियाँ, समुद्रतट, ग्रामीण व आधुनिक जीवन शैली आदि पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं। वियतनाम की राजधानी हनोई है लेकिन सबसे बड़ा और सुंदर शहर हो ची मिन्ह है। इसका नाम पहले सैगोन (या साइगोन) था, जिसे बदलकर यहाँ के स्वतंत्रता सेनानी, साम्राज्यवादी नेता हो ची मिन्ह के नाम से रख दिया गया। हो ची मिन्ह में ऊँची ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें हैं। साफ़-सुथरा,सुंदर व आधुनिकता का प्रतीक शहर है। इमारतें आधुनिक वास्तुकला का नमूना हैं।

शहरी व ग्रामीण जीवनशैली

पूरे वियतनाम में वियतनामी भाषा चलती है। इसमें अधिकांश शब्द चीनी भाषा के हैं। केवल बड़े सितारा होटलों व रेस्टोरेंट्स में अंग्रेज़ी समझने वाले लोग हैं, बाकी टूटीफूटी अंग्रेज़ी व इशारों की भाषा से पर्यटकों का काम चल जाता है। मोटर साइकिल व स्कूटर का चलन ज़्यादा है, चारपहिया वाहन अपेक्षाकृत कम हैं। बेरोज़गारी की दर विश्व में सबसे कम है। वियतनाम दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। शराब व सिगरेट का प्रचलन खूब है। यहाँ के लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हैं। यहां मोटापे का प्रतिशत 2 है। सौ में से केवल दो लोग ही थोड़ी तोंद वाले दिख सकते हैं। यहां सामान्यतया समुद्री भोजन पसंद किया जाता है। नूडल्स, सूप, सब्जियां, सलाद पर जोर रहता है। यहां क्वालिटी चावल का उत्पादन होता है और उसी का उपभोग भी खूब होता है। यह देश काजू का सबसे बड़ा निर्यातक और चावल निर्यात में दूसरा स्थान रखता है। काफी में भी ब्राज़ील के बाद दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है।

यहां के बड़े शहरों की नाइटलाइफ़ पर्यटकों को आकर्षित करती है तो दूर दराज़ के द्वीपों में रहने वाले ग्रामीणों के रहन- सहन, उनका जीवनयापन भी पर्यटकों की दिलचस्पी का हिस्सा है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ है।

पर्यटकों के लिए दर्शनीय स्थल

हो ची मिन्ह से लगभग 100 किमी दूर वुंग ताऊ समुद्रतटीय क़स्बा है, जहाँ का नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य सहज ही आकर्षित करता है। एक तरफ हरी-भरी पहाड़ियाँ, तो दूसरी ओर समुद्र का लंबा तट। यहाँ अनेक धार्मिक स्थल भी हैं। वुंग ताऊ में पहाड़ी पर स्थित ईसा मसीह की 32 मीटर ऊंची प्रतिमा भी आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा व्हाइट विला है जिसे व्हाइट पैलेस भी कहते हैं। यह फ्रांसीसी गवर्नर्स का निवास होता था।

हो ची मिन्ह सिटी में सांस्कृतिक महत्व का ओपेरा हाउस है जहां विभिन्न रंगमंचीय कार्यक्रम होते हैं । यहां होने वाला एओ शो बहुत लोकप्रिय है जो दिन में केवल एक बार होता है। हो ची मिन्ह में इंडिपेंडेंस हाउस की भव्य इमारत तथा वार मेमोरियल आदि दर्शनीय स्थल हैं । यहां फ्रांस और अमेरिका के साथ वियतनामी युद्ध के दौरान वियतनामियों द्वारा कैसे रणनीति बनाई जाती थी और कैसे उस पर अमल किया जाता था, उसकी कथा कहते दृश्य व हथियार दर्शित हैं।

शहर से लगभग 70 किमी दूर कु ची टनल्स की तो बात ही छोड़ दीजिए। वियतनामी युद्ध प्रणाली व सैनिकों के साहस की जीवंत कथा सुनाती इन गुफाओं को देखने से रोंगटे खड़े हुए बिना नहीं रह सकते। इनके अलावा मेकोंग डेल्टा क्षेत्र में पानी पर तैरते गाँवों की जीवनशैली से बहुत कुछ सीखने व समझने को मिलता है।

■ इन दर्शनीय स्थलों पर विस्तारपूर्वक अन्य लेखों में विवरण दिया जा सकेगा।

वियतनाम जाएं तो कैसे जाएं?

आजकल एशियाई देशों के पर्यटक विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशियन देश वियतनाम जाने को उत्सुक रहते हैं। वर्ष दर वर्ष यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है । गत वर्ष की बात करें तो 50 लाख भारतीय पर्यटकों ने वियतनाम की सैर की। दक्षिण भारत के शहरों से भी वियतनाम जाने वाले पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिसमें बेंगलूरु और हैदराबाद से वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर तक सीधी विमान सेवा का उपलब्ध होना है। पर्यटकों को अच्छी विमानन सेवा उपलब्ध हो तो किसी भी देश का चयन करने में आसानी होती है और इसी दिशा में वियतनाम मूल की वियतजेट एयरलाइंस आजकल पर्यटकों की पसंदीदा एयरलाइन बनी हुई है।

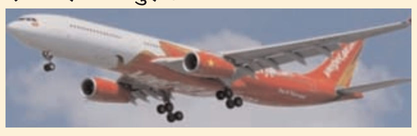

वियतजेट है बेहद अनुकूल विकल्प

बेंगलूरु व हैदराबाद से हो ची मिन्ह शहर(जिसे वियतनाम की आर्थिक राजधानी कहा जाता है) के लिए वियतजेट की सीधी विमान सेवा उपलब्ध है। यह वियतनाम की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन कंपनी है जो बहुत ही रियायती मूल्य पर बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराती है। इसका मुख्यालय वियतनाम की राजधानी हनोई शहर में है।बेंगलूरु से हो ची मिन्ह शहर के लिए वियतजेट की सप्ताह में चार बार सोम, बुध, शुक्र व रविवार को सीधी उड़ानें हैं जो लगभग 5 घंटे के आरामदायक सफ़र के साथ वियतनाम पहुंचा देती हैं। इसी प्रकार वापसी की सुविधाएं उपलब्ध हैं।हो ची मिन्ह वहां का सबसे बड़ा शहर है जिसकी तुलना आर्थिक दृष्टिकोण से मुंबई से कर सकते हैं। हो ची मिन्ह को केंद्र बिंदु बना कर बहुत सारे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व मनोरंजन महत्व के पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया जा सकता है।

वियतजेट एयरलाइंस बेंगलूरु से हो ची मिन्ह शहर तक जाने और वापस लौटने का इकोनॉमी किराया महज लगभग 20 हजार रुपये तक लेती है। वर्तमान में कई तरह की रियायतें देने वाली यह कंपनी बिज़नेस क्लास तथा स्काई बॉस जैसी सुविधाएं भी रियायती दरों पर उपलब्ध करा रही है। स्काई बोस श्रेणी के यात्रियों को कई प्रीमियम सुविधाएं मिलती हैं।वियतनाम जाने के लिए पर्यटक वीजा लेना कोई मुश्किल भरा काम नहीं है । आसानी से आनलाइन आवेदन कर वीजा प्राप्त कर सकते हैं।

वियतजेट एयरलाइंस का दावा है कि यह दुनिया की एकमात्र सुरक्षा और उत्पाद रेटिंग वेबसाइट पर वर्ष 2018 व 2019 में 7 स्टार रेटिंग प्राप्त कर चुकी है। वियतजेट ने वर्ष 2025 के लिए विश्व की अल्ट्रा लो-कोस्ट कैरियर का ख़िताब भी जीता है।उनके कर्मचारी अपने ग्राहकों के प्रति बेहद विनम्र, सहयोगी एवं सेवाभावी हैं ।

'दि इनर स्टोरी' ट्रेड फेयर के नए उत्पाद व बाजार की तलाश में उमड़े व्यापारी

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के ट्रेड फ़ेयर का आखिरी दिन आज

ट्रेड फेयर में स्टॉल लगाने वाले प्रतिष्ठान दो दिनों की प्रतिक्रिया से खुश नजर आ रहे थे। दूसरे दिन लोगों की आवाजाही में काफी वृद्धि दर्ज की गई और लगभग 3 हजार से अधिक संभावित ग्राहकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) की वार्षिक प्रदर्शनी 'दि इनर स्टोरी' ट्रेड शो का चौथा संस्करण मंगलवार को पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में प्रारंभ हुआ, दोनों दिन ट्रेड शो में संभावित ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस देखा गया। टेसुटी इंडस्ट्रीज द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल, हुब्बल्ली के सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र सिंघी, टाइटल प्रायोजक टेसुटी इंडस्ट्रीज के संस्थापक रमेश कोठारी, किया के अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, महावीरचन्द मेहता, मंत्री रविंन्द्र बम्बोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, सहमंत्री शेंकी एम. जैन, जितेन्द्रकुमार, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, पूर्व अध्यक्ष रमेशचन्द जैन आदि ने दीप प्रज्वलन कर व फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन ने सभी का स्वागत किया तो उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने ट्रेड शो की जानकारी देते हुए कहा कि गत तीन ट्रेड फेयरों की तुलना में इस चौथे ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य के टेक्सटाइल मंत्री शिवानंद पाटिल ने ट्रेड फेयर आयोजन कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत का इनरवियर बाजार कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन से प्रेरणा लेकर इस तरह का राष्ट्रीय ट्रेड शो आयोजित करेगा। मंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार 'किया' को कर्नाटक और बेंगलूरु में इनरवियर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यापारी राज्य में कहीं भी कोई उद्योग स्थापित करना चाहता है तो सरकार उसे हर संभव सहयोग करेगी। मंत्री ने कहा कि 'किया' की ओर से आने वाले व्यापारिक सुझावों पर मंत्रालय गंभीरता से विचार कर उन्हें धरातल पर उतारने के लिए पूरी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार गारमेंट्स उद्योग सहित विभिन्न उद्योगों को हर तरीके का प्रोत्साहन दे रही है। महेन्द्र सिंघी ने कहा कि 'किया' के इस ट्रेड शो में मिनी भारत के दर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनी में लगे लगभग 60 स्टॉल पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

उद्घाटन के मौके पर अतिथियों ने हर एक स्टॉल का दौरा कर इनरवियर बाजार के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा व्यापारियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मध्य सभी अतिथियों व सहयोगियों का सम्मान किया गया। सचिव रविन्द्र बंबोली ने बताया कि इस ट्रेड शो में देश के जाने माने अधिकतर ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले व्यापारियों के रहने, खाने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर ही की गई है। इस मौके पर प्रदर्शनी समन्वयक महेन्द्र जैन, प्रदर्शनी कमेटी के राजेश चौपड़ा, मनीष ए. जैन, माधुराम खादव, पंजीकरण कार्य में जुटे महिपाल टी. जैन, सदस्यता चेयरमैन गौरव शर्मा, मूल सिंह राजपुरोहित समेत अन्य सदस्यों ने विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन 'किया' के पदाधिकारियों ने ट्रेड फेयर में उपस्थित 'खागा' के सदस्यों सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान किया। ट्रेड फेयर में स्टॉल लगाने वाले प्रतिष्ठान दो दिनों की प्रतिक्रिया से खुश नजर आ रहे थे। दूसरे दिन लोगों की आवाजाही में काफी वृद्धि दर्ज की गई और लगभग 3 हजार से अधिक संभावित ग्राहकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। आयोजकों को प्रदर्शनी के आखिरी दिन गुरुवार को भी अच्छे रेस्पांस की संभावना है।

केएमवाईएफ के कृत्रिम पांव शिविर से 450 रोगी हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्य में अग्रणी कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा रविवार को केएमवाईएफ कृत्रिम पैर योजना के तहत 450 से अधिक जरूरतमंदों को कृत्रिम पैर लगाए गए। इस अवसर पर कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं जनकल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम को आदिचुनचुनगिरि मठ के प्रमुख डॉ. निर्मलानंदनाथ स्वामीजी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से प्रायोजक बी. देवराज व उपस्थित अन्य सदस्यों ने धन्यवाद दिया। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा कृत्रिम पांव योजना, मोबाइल डेंटल वैन योजना, डायलिसिस योजना एवं शिक्षा योजना नियमित रूप से संचालित है।

समय-समय पर राज्य के विविध भागों में रोगियों की सुविधा के लिए शिविरों का आयोजन भी संस्था करती रहती है। ङ्गइस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि संस्था द्वारा यह सभी योजनाएं मानव कल्याण हेतु जन साधारण के लिए निःशुल्क चलाई जा रही है, जो मानव सेवा का एक जीवंत उदाहरण है। मानवसेवा के क्षेत्रों में केएमवाईएफ का अद्वितीय योगदान है। इस अवसर पर प्रायोजक सीए डी. देवराज, केएमवाईएफ के कृत्रिम पैर योजना के चेयरमैन एफआर सिंघवी, रवीन्द्र भंडारी, राहुल मेहता एवं आदेश पिरगल उपस्थित थे। कार्यक्रम में अनिल सेठी के पौत्र भी उपस्थित थे जिन्होंने कृत्रिम अंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगे होने वाले शिविर को प्रायोजित करने की घोषणा की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com